Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25 www.dainikvishwapariwar.com रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 130 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, मंगलवार 24 नवम्बर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार



परिश्रम के द्वारा मंजिल तब प्राप्त होती है, जब अपना ध्यान मजबूत होता है।

Hand work begets us the destination only when we have determined meditation.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

गुरुओं की प्रेरणा से ही बनेगा विकसित भारत : पीएम मोदी

■ लोक निवास में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए पीएम मोदी व डेरा ब्यास मुखी



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि विकसित भारत का संकल्प सिख गुरुओं की प्रेरणा और उनके आदर्शों की ताकत से ही पूरा हो सकता है। उन्होंने कहा कि सिख परंपराओं और विरासत को आगे बढ़ाना सभी की जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व की पूर्व संध्या पर दिल्ली के लोकनिवास में आयोजित शबद कीर्तन में शामिल हुए।

उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू की ओर से आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने गुरु ग्रंथ साहिब के आगे माथा टेका और गुरुबाणी का श्रवण किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और राधा स्वामी डेरा ब्यास मुखी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। मोदी ने कहा, आज जब हमारे सामने राष्ट्र निर्माण के बड़े संकल्प हैं और विकसित भारत का लक्ष्य है, तब यह यात्रा हमारे गुरुओं की प्रेरणा और उनके आदर्शों की शक्ति से ही पूरी हो सकती है। उन्होंने कहा कि देश के इतिहास के कठिन दौर में भी सिख गुरुओं ने राष्ट्र की रक्षा का संकल्प जीवित रखा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि गुरबाणी का हर शब्द और कीर्तन की हर धुन केवल संगीत नहीं, बल्कि आध्यात्मिक साधना और ज्ञान के सागर में उतरने जैसा है। उन्होंने गुरु नानक देव की शिक्षाओं- 'किरत करो, वंड छको और नाम जपो' का उल्लेख करते हुए कहा कि ये सिद्धांत बचपन से ही उनके जीवन का हिस्सा रहे हैं। मोदी ने सिख गुरुओं की विरासत को सम्मान देने के लिए पिछले 12 वर्षों में किए गए प्रयासों का भी जिक्र किया। उन्होंने गुरु गोबिंद सिंह के 350वें और गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व पर देश-विदेश में हुए आयोजनों, स्मारक सिक्कों और डाक टिकटों के विमोचन का उल्लेख किया। गुरु तेग बहादुर के 400वें प्रकाश पर्व पर लाल किले में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम को भी याद किया। इस मौके पर एलजी संधू ने कहा कि प्रधानमंत्री की मौजूदगी दिल्ली और खासकर सिख समुदाय के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने गुरु नानक देव की समानता, शिक्षा और निस्वार्थ सेवा की शिक्षाओं को सभी धर्मों के लोगों के लिए प्रेरणादायक बताया।5

पुरुषों ने धोईं सड़कें, महिलाओं ने लगाई झाड़ू



गुना। श्री गुरु नानक देव जी का 557वां प्रकाश पर्व देशभर में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार शाम शहर में गुरूद्वारा गुरुसिंह सभा के तत्वावधान में भव्य नगर कीर्तन निकाला गया। लक्ष्मीगंज स्थित गुरुद्वारे से आरंभ हुआ नगर कीर्तन शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः गुरुद्वारे पर समाप्त हुआ। रथ पर गुरु ग्रंथ साहिब की पालकी विराजमान थी। नगर कीर्तन के दौरान गुरु ग्रंथ साहिब और पंच प्यारों का जगह-जगह पर फूलों की बरिश कर स्वागत-सत्कार किया गया। नगर कीर्तन में महिलाओं ने सेवा भाव से झाड़ू लगाकर सफाई का संदेश दिया, जबकि पुरुषों ने पानी के टैंकरों से सड़कों को धोकर छिड़काव किया। युवाओं की टीम ने संपूर्ण व्यवस्था को सुचारू रूप से संभाला। गुरुद्वारा परिसर को आकर्षक विद्युत सजावट और फूलों से सजाया गया। सचिव हरबीर सिंह सूद ने बताया कि गुरु नानक देव जी का जन्म 1469 में पाकिस्तान के लाहौर के पास तलवंडी (ननकाना साहिब) में हुआ था।

भारतीय जनता युवा मोर्चा की दो दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति बैठक संपन्न



रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता युवा मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति बैठक के समापन सत्र में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मार्कंडेय सहित युवा मोर्चा के राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारी शामिल हुए।

पार्टी की विचारधारा व नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कहा कि युवा मोर्चा संगठन की रीढ़ है और पार्टी की विचारधारा व नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक मजबूत करें तथा केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने में सक्रिय योगदान दें। उन्होंने कहा कि युवा मोर्चा के कार्यकर्ता अनुशासन, समर्पण और सेवा भाव के साथ कार्य करें। उन्होंने सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग, नए मतदाताओं और युवाओं को पार्टी से जोड़ने तथा रचनात्मक अभियानों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों के बीच सक्रिय रहने का मंत्र दिया।

केशकाल में 132 केवी उपकेंद्र का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण

■ 35 करोड़ रुपये की लागत से जामगांव में निर्मित उपकेंद्र से 185 गांवों के 52 हजार उपभोक्ताओं को मिलेगा लाभ



रायपुर (विश्व परिवार)। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और निर्माण संबंधी कई चुनौतियों के बीच तैयार किए गए 132/33 केवी उपकेंद्र केशकाल का मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने लोकार्पण किया। कोंडागांव जिले के ग्राम पंचायत जामगांव में 35 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस उपकेंद्र से केशकाल क्षेत्र के 185 गांवों के लगभग 52 हजार बिजली उपभोक्ताओं को बेहतर वोल्टेज और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी की पूंजी निवेश योजना के अंतर्गत स्वीकृत इस उपकेंद्र की आवश्यकता क्षेत्र में बढ़ती आबादी, विकास गतिविधियों और कृषि विस्तार के कारण महसूस की जा रही थी। क्षेत्र में कम वोल्टेज और अनियमित विद्युत आपूर्ति की समस्या के समाधान के लिए परियोजना तैयार की गई। वनभूमि डायवर्जन की अनुमति की प्रक्रिया के बाद भारत सरकार से दिसंबर 2024 में निर्माण की अनुमति प्राप्त हुई। इसके बाद 17 अप्रैल 2025 को भूमिपूजन किया गया।

उपकेंद्र निर्माण के दौरान स्थल पर बड़ी-बड़ी चट्टानें मिलने से काम में कठिनाई आई। प्रशासन के सहयोग से रासायनिक विस्फोटकों और भारी मशीनों की मदद से चट्टानों को हटाया गया। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण ईंधन संकट और भारी बारिश ने भी निर्माण कार्य को प्रभावित किया।

रायपुर के मास्टर प्लान में होगा बदलाव



रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर के मास्टर प्लान 2031 में सड़क नेटवर्क को लेकर बड़ा बदलाव होने जा रहा है। जुलाई 2023 में जारी पुनर्विलोकित मास्टर प्लान में हटाई गईं 11 सड़कें फिर शामिल करने की तैयारी है। इसके अलावा 23 सड़कों की चौड़ाई वर्ष 2021 के मास्टर प्लान के अनुसार करने और 10 सड़कों का अलाइनमेंट भी पुराने स्वरूप में बहाल करने की अनुशंसा की गई है। राज्य सरकार ने इन संशोधनों के प्रस्ताव पर आम नागरिकों, जमीन मालिकों और संबंधित हितधारकों से 15 दिन के भीतर दावा-आपत्ति और सुझाव मांगे हैं। यह बदलाव शहर की बढ़ती आबादी, भविष्य की यातायात जरूरतों और सुनियोजित विकास को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। प्रस्तावित संशोधन लागू होने से पहले लोगों को अपनी बात रखने का मौका दिया गया है। रायपुर मास्टर प्लान 2021 का मूल प्रकाशन 7 अप्रैल 2008 को हुआ था। इसके पुनर्विलोकन के बाद 24 जुलाई 2023 को नई विकास योजना प्रकाशित की गई। इसके बाद सड़क मार्गों में बदलाव, चौड़ाई कम करने और कुछ मार्ग हटाने को लेकर शिकायतें मिलने लगीं।

पश्चिम बंगाल में बेरोजगारों को जनवरी 2027 से मिलेगा भत्ता



कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने बेरोजगार युवाओं के लिए नई योजना 'भरोसा' शुरू करने का ऐलान किया है। यह योजना जनवरी 2027 से लागू होगी। इसके तहत ग्रेजुएट और सरकार से मान्यता प्राप्त वोकेशनल या ढ्ढञ्जढ्ढ कोर्स करने वाले युवाओं को हर महीने 2,000 रुपये दिए जाएंगे। वहीं, गैर-ग्रेजुएट युवाओं को 1,500 रुपये मासिक भत्ता मिलेगा। मुख्यमंत्री ने सोमवार को राज्य कैबिनेट की बैठक के बाद इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार ने पहले चुनावी घोषणा पत्र में ग्रेजुएट युवाओं को 3,000 रुपये और गैर-ग्रेजुएट युवाओं को 2,000 रुपये देने का वादा किया था। हालांकि, फिलहाल वित्तीय जिम्मेदारियों को देखते हुए भत्ते की राशि कम रखी गई है। सुवेंदु अधिकारी के मुताबिक, शुरुआती 15 महीनों तक युवाओं को संशोधित दरों पर भत्ता दिया जाएगा। इसके बाद वित्त वर्ष 2028-29 से ग्रेजुएट युवाओं को 3,000 रुपये और गैर-ग्रेजुएट युवाओं को 2,000 रुपये प्रति माह दिए जाएंगे।

पुन्नी मेलाः महादेवघाट पहुंचकर महापौर मीनल ने लिया जायजा



रायपुर (विश्व परिवार)। कल महादेवघाट में आयोजित होने वाले पुन्नी मेला की तैयारियों को लेकर आज महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने मेला स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, स्वच्छता, आवागमन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान व्यवस्थाओं में कमियां पाए जाने पर महापौर ने नाराजगी जाहिर करते हुए संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और सभी कमियों को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पुन्नी मेला में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं, ऐसे में व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

महापौर ने महादेवघाट परिसर, तालाबों एवं नदी के आसपास की साफ-सफाई का निरीक्षण किया। उन्होंने घाटों और श्रद्धालुओं के आवागमन वाले स्थानों पर विशेष सफाई कराने के साथ ही पूरे परिसर में चूना डालने एवं आवश्यक स्थानों पर मार्किंग कराने के निर्देश दिए।


प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं
अधिकृत विक्रेता
SSM Since 1981
सम्राट मिल स्टोर्स
स्टेशन रोड, रायपुर (छ.ग.)
8109029600 0771-4034474
ritzkhanna@rediffmail.com www.samratmillstore.in



भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट ड्रॉ

वेलिंगटन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वेलिंगटन में खेला गया पहला टेस्ट मैच ड्रॉ हो गया है। भारतीय गेंदबाज आखिरी 43 ओवर में एक भी विकेट नहीं ले सके। सोमवार को मुकाबले के आखिरी दिन भारत को जीत के लिए 8 विकेट की जरूरत थी। टी-ब्रेक से पहले 5 बैटर्स आउट हो गए थे। इंडिया को आखिरी डेढ़ सेशन में जीत के लिए 5 विकेट की जरूरत थी। डेरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स की जोड़ी ने नाबाद साझेदारी कर अपनी टीम को पारी की हार से बचाया। मैच में 10 से ज्यादा ओवर बचे थे लेकिन दोनों टीमों ने आपसी सहमति से मैच ड्रॉ कर लिया। मैच में भारतीय टीम को पहली पारी में 352 रन की बढ़त मिली। उसने 720/9 के स्कोर पर पारी डिक्लेयर की। न्यूजीलैंड 368 रन पर ऑलआउट हुआ। भारत को बाकी 6 टेस्ट में से एक न्यूजीलैंड में और 5 घरेलू मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने हैं।


प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं
INDIA'S BIGGEST CAR ACCESSORIES SHOWROOM
Nobody dresses your car better than
Since 1992
Car Shringar®
WORLD CLASS CAR ACCESSORIES SHOP
ALL BRANDED CAR ACCESSORIES AVAILABLE
कोई भी हो कार, सजायेगा सिर्फ
कार श्रृंगार®
THAR & THAR ROXX की सभी नये एसेसरीज़ उपलब्ध
नकलचोरो से सावधान
कार श्रृंगार केवल जीत टावर राजकुमार कॉलेज के सामने रायपुर में ही है
बाकी मिलते जुलते नामो वाले नकल चोरों से सावधान !
Jeet Tower, Opp. Rajkumar College Main Gate, G.E. Road, Raipur. Ph: 9329101331, 0771-4046063
फ्रेंचाइसी देनी है: रायपुर शहर सहित छत्तीसगढ़ के सभी प्रमुख शहरों में 'कार श्रृंगार' की फ्रेंचाइसी देनी है. संपर्क करें- 9329101331

दैनिक
विश्व परिवार
छत्तीसगढ़
रायपुर, मंगलवार 24 नवम्बर 2026
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

प्रोस्टेट कैंसर: वह बीमारी जिसके बारे में पूछने में पुरुष बहुत देर कर देते हैं

रायपुर (विश्व परिवार)। कई पुरुष सालों तक डॉक्टर के पास जाने से बचते रहते हैं। लेकिन प्रोस्टेट कैंसर जैसी गंभीर बीमारी में यह झिझक और डर नुकसान पहुँचा सकता है। दुनिया भर में पुरुषों में होने वाले सबसे आम कैंसरों में यह एक है, और भारत में भी यही स्थिति है। बहुत से पुरुषों में इसका पता तब चलता है जब बीमारी इतनी बढ़ चुकी होती है कि पूरी तरह ठीक करना मुश्किल हो जाता है।

प्रोस्टेट क्या है?

प्रोस्टेट अखरोट के आकार की एक छोटी ग्रंथि है। यह मूत्राशय के ठीक नीचे होती है और पुरुषों की मूत्रनली को चारों ओर से घेरे रहती है। प्रोस्टेट एक तरल पदार्थ बनाती है, जो वीर्य का हिस्सा होता है। उम्र बढ़ने के साथ प्रोस्टेट का आकार स्वाभाविक रूप से बढ़ता है। इसीलिए प्रोस्टेट की ज़्यादातर बीमारियाँ 50 साल से ऊपर के पुरुषों में होती हैं।

पुरुष इंतज़ार क्यों करते हैं?

प्रोस्टेट कैंसर में अक्सर शुरू में कोई साफ़ लक्षण नहीं दिखते, इसलिए पुरुषों को डॉक्टर के पास जाने की ज़रूरत महसूस नहीं होती। कई पुरुष प्रजनन अंगों से जुड़ी समस्या के बारे में डॉक्टर से बात करने में शर्म महसूस करते हैं, क्योंकि उन्हें यह बहुत निजी विषय लगता है। पेशाब की दिक्कतों को वे बढ़ती उम्र का सामान्य हिस्सा मान लेते हैं। कुछ पुरुषों को डर रहता है कि इलाज से उनकी मर्दानगी और यौन क्षमता पर असर पड़ेगा, इसलिए वे इलाज कराने से कतराते हैं।

दूसरी बीमारियों की तरह प्रोस्टेट कैंसर के भी कुछ लक्षण होते हैं। इन्हें समय रहते पहचानना ज़रूरी है, ताकि सही जाँच और इलाज जल्दी शुरू हो सके।

प्रोस्टेट कैंसर के लक्षण

पेशाब बार-बार आना, खासकर रात में

पेशाब की धार कमज़ोर होना, पेशाब करने में कठिनाई या दर्द होना

ऐसा लगना कि मूत्राशय पूरी तरह खाली नहीं हुआ

पेशाब या वीर्य में खून आना



पीठ के निचले हिस्से, कूल्हों या पेल्विस में दर्द या बेचैनी (यह अक्सर संकेत होता है कि कैंसर शरीर में फैल चुका है)

ये लक्षण प्रोस्टेट के सामान्य बढ़ने की बीमारी, यानी बिनाइन प्रोस्टेटिक हाइपरप्लेसिया (BPH) में भी होते हैं। कैंसर और दूसरी बीमारियों में फ़र्क़ करने के लिए प्रोस्टेट की जाँच करवाना ज़रूरी है।

प्रोस्टेट कैंसर की जाँच कैसे होती है?

जाँच की शुरुआत आमतौर पर ब्लड टेस्ट और शारीरिक जाँच से होती है। कुछ मामलों में MRI या बायोप्सी की ज़रूरत भी पड़ सकती है। PSA की रिपोर्ट को खुद पढ़कर नतीजा नहीं निकालना चाहिए। PSA ज़्यादा आने का मतलब हमेशा कैंसर नहीं होता। प्रोस्टेट में संक्रमण या सूजन होने पर भी यह बढ़ सकता है।

50 साल की उम्र के बाद प्रोस्टेट कैंसर का खतरा काफ़ी बढ़ जाता है। जिन पुरुषों के परिवार में किसी को यह बीमारी रही हो, उनमें खतरा और ज़्यादा होता है। ऐसे पुरुषों को जाँच के हिस्से के रूप में जेनेटिक टेस्ट के बारे में भी सोचना चाहिए।

अच्छी खबर: प्रोस्टेट कैंसर का अक्सर इलाज संभव है

प्रोस्टेट कैंसर उन कैंसरों में से है जिनका इलाज सबसे अच्छे से हो सकता है, खासकर जब इसका पता शुरुआती अवस्था में चल जाए। इलाज हर मरीज़ के हिसाब से तय होता है। इसमें मरीज़ की उम्र, उसकी सेहत और कैंसर के बढ़ने की रफ़्तार को ध्यान में रखा जाता है।

धीरे बढ़ने वाले प्रोस्टेट कैंसर में डॉक्टर अक्सर एक्टिव सर्विलांस की सलाह देते हैं, यानी नियमित जाँच के ज़रिये स्थिति पर नज़र रखना। इलाज के कई तरीके उपलब्ध हैं। इनमें सर्जरी वाले और बिना सर्जरी वाले तरीके हैं, और ऐसे इलाज भी हैं जो शरीर के हॉर्मोन के स्तर पर असर करते हैं।

पुरुषों को डॉक्टर से कब बात करनी चाहिए?

? 50 साल से ऊपर के पुरुषों को डॉक्टर से PSA ब्लड टेस्ट के बारे में पूछना चाहिए।

? जिनके किसी करीबी रिश्तेदार को प्रोस्टेट कैंसर रहा हो, उन्हें जेनेटिक काउंसलिंग के बारे में सोचना चाहिए।

? पेशाब से जुड़ी कोई भी परेशानी हो तो यूरोलॉजिस्ट को दिखाना चाहिए।

ज़्यादातर पुरुष सही जाँच इसलिए नहीं करवाते क्योंकि वे कैंसर जैसी बीमारी के बारे में सोचना ही नहीं चाहते। कई को यह शर्म की बात लगती है, या वे सोचते हैं कि जब तक तबियत ठीक है, जाँच की क्या ज़रूरत।

पंकज नायक प्रांतीय उपाध्यक्ष मनोनीत, विश्वनाथ ध्रुव बने रायपुर जिला अध्यक्ष

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ अधिकारी-कर्मचारी पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रांतीय संगठन में महत्वपूर्ण संगठनात्मक बदलाव करते हुए प्रांताध्यक्ष श्री पी.आर. यादव ने श्री पंकज नायक को प्रांतीय कार्यकारिणी में शामिल कर प्रांतीय उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया है। वहीं, एसोसिएशन की जिला शाखा रायपुर के अध्यक्ष पद पर श्री विश्वनाथ ध्रुव को मनोनीत किया गया है।

एसोसिएशन द्वारा आज जारी मनोनयन आदेश के अनुसार संगठन को और अधिक सशक्त, सक्रिय एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से नए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

उल्लेखनीय है कि जिला शाखा रायपुर द्वारा आयोजित मासिक बैठक में संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में प्रांतीय महामंत्री श्री उमेश मुदलियार विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में श्री पंकज नायक को प्रांतीय कार्यकारिणी में दायित्व दिए जाने



तथा जिला शाखा रायपुर के नए अध्यक्ष के चयन के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सर्वसम्मति से इन निर्णयों पर अपनी सहमति व्यक्त की।

इसके पश्चात प्रांतीय महामंत्री श्री उमेश मुदलियार ने बैठक में नए पदाधिकारियों के मनोनयन की घोषणा की तथा प्रांतीय इकाई द्वारा विधिवत मनोनयन पत्र जारी किए गए।

श्री पंकज नायक पूर्व में जिला शाखा रायपुर के अध्यक्ष के रूप में संगठनात्मक गतिविधियों का संचालन कर रहे थे। उनके प्रांतीय उपाध्यक्ष बनाए जाने से अब उन्हें प्रदेश स्तर पर संगठन के विस्तार, पेंशनरों की समस्याओं के निराकरण तथा विभिन्न जिलों के बीच समन्वय स्थापित करने की जिम्मेदारी मिलेगी।

वहीं, श्री विश्वनाथ ध्रुव रायपुर जिला शाखा के अध्यक्ष के रूप में संगठन की गतिविधियों को आगे बढ़ाएंगे तथा जिले के पेंशनरों को संगठित कर उनकी समस्याओं एवं मांगों को शासन-प्रशासन के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाने का कार्य करेंगे।

इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने नवनियुक्त प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री पंकज नायक एवं जिला अध्यक्ष श्री विश्वनाथ ध्रुव को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि दोनों पदाधिकारी संगठन की मजबूती, एकजुटता एवं पेंशनरों के हितों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे।उपरोक्त जानकारी जिला शाखा रायपुर के सचिव श्री बेनी राम गायकवाड़ ने दी।

25 साल की सेवा को सलाम — नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने वार्ड 34 की मितानिन दीदियों का किया सम्मान

रायपुर (विश्व परिवार)। मितानिन सम्मान दिवस के अवसर पर रायपुर नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी के द्वारा आज पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड 34 की मितानिन दीदियों का भव्य सम्मान किया गया।ार्ड में आयोजित सम्मान कार्यक्रम में आकाश तिवारी ने सभी मितानिन दीदियों का मुंह मीठा खिलाकर श्री फल मिठाई भेंट कर , वस्त्र भेंट कर सम्मान किया।मितानिन दीदियों के चेहरे पर अपने सम्मान को लेकर खुशी और गर्व साफ दिख रहा था।



विगत 25 वर्षों से ज्यादा समय से सेवा दे रहीं दीदियांआकाश तिवारी ने कहा हमारी मितानिन दीदियां विगत 25 वर्षों से भी ज्यादा समय से बिना रुके, बिना थके गांव-गांव, घर-घर सेवा दे रही हैं।गर्भवती माताओं की देखभाल हो, बच्चों का टीकाकरण हो, मलेरिया-डेंगू की रोकथाम हो, बीपी-शुगर की जांच हो – हर काम में सबसे पहले मितानिन दीदी ही आगे खड़ी मिलती हैं।कोरोना जैसे कठिन काल में जब लोग घरों से निकलने से डर रहे थे, तब यही मितानिन दीदियां घर-घर जाकर दवा, जांच और हिम्मत बांट रही थीं। ये सिर्फ स्वास्थ्य कार्यकर्ता नहीं, ये हमारे वार्ड की असली सेविका हैं।भूपेश बघेल सरकार ने बढ़ाया था मानदेय, दिया था सम्मान आकाश तिवारी ने इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार के कार्यकाल का भी उल्लेख करते हुए कहाभूपेश बघेल जी की सरकार ने मितानिन दीदियों के दर्द को समझा था। उनकी सरकार ने मितानिनों का मानदेय बढ़ाकर उनका सम्मान किया था।पहले मितानिन दीदियों को बहुत कम मानदेय मिलता था। भूपेश बघेल सरकार ने मानदेय बढ़ाया, प्रोत्साहन राशि दी, और

बस्तर संभाग के दौरे पर रहेंगे 'आप' प्रदेश प्रभारी मुकेश अहलावत

रायपुर। आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ के प्रदेश प्रभारी मुकेश अहलावत जी एवं सह प्रभारी सौरभ झा जी 24 नवंबर से 3 दिसंबर तक बस्तर संभाग एवं आसपास के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान दोनों नेता जगदलपुर, बस्तर, चित्रकोट, दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर, कोंडागांव, केशकाल, अंतागढ़, भानुप्रतापपुर, कांकेर, सिहावा, डौंडी लोहारा, बालोद एवं गुंडरदेही विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचकर संगठनात्मक बैठकें और कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे। इस दौरे का उद्देश्य प्रदेश में पार्टी संगठन को मजबूत करना, जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं से संवाद करना ।

मुख्यमंत्री भिलाई-3 में, विकास कार्यों का करेंगे भूमिपूजन-लोकार्पण

भिलाई-3 । नगर पालिक निगम भिलाई-3 चरोदा क्षेत्र में मंगलवार, 24 नवंबर को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आगमन होगा। मंगल भवन भिलाई-3 के सामने आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के करकमलों से विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया जाएगा।



कार्यक्रम में लोक कलाकार चंपा निषाद की सांस्कृतिक प्रस्तुति भी होगी। आयोजन को लेकर नगर निगम और स्थानीय स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। नागरिकों से अपील की गई है कि वे कार्यक्रम स्थल मंगल भवन भिलाई-3 के सामने दोपहर 2 बजे से पूर्व पहुंचकर समारोह में शामिल हों और कार्यक्रम को सफल बनाएं।

कार्यालय जोन क्रमांक-3 नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

: : निविदा आमंत्रण सूचना : :

क्रमांक 24/न.पा.नि./जोन–03/2026–27 रायपुर, दिनांक 23.11.2026

मैनुअल पद्धति निविदा आमंत्रित की जाती है जिसमें निविदा प्रपत्र हेतु दिनांक 08.12.2026 सायं 5.00 बजे तक अपना आवेदन पत्र अपने लेटरहैड में प्रस्तुत एवं निर्धारित निविदा शुल्क जमा कर नगर पालिक निगम की वेबसाईट (nagarnigamraipur.nic.in) में निविदा से संबंधित जानकारी कार्य का निविदा फॉर्म निकालकर उसमें दर भरकर बंद लिफाफे मे दिनांक 14.12.2026 सायं 5.00 बजे तक स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्राप्त की जावेगी। समयावधि में प्राप्त बंद लिफाफे को दिनांक 15.12.2026 को समय 12.00 बजे जोन आयुक्त एवं निविदाकारों के समक्ष निविदा दर खोली जावेगी।

कार्य का विवरण निम्नानुसार है :–

क्र.	कार्य का नाम	आगणित राशि (लाख में)	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	ठेकेदार की श्रेणी	प्रपत्र एवं एस.ओ.आर. का विवरण	समयावधि	मद
01	कालीमाता वार्ड क्र.12 अंतर्गत प्रगति मैदान के पीछे नायक जी के घर के पास सी.सी.नाली निर्माण कार्य।	1.88	2000/-	300/-	'डी' एवं इससे ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी.डब्ल्यू. डी. भवन दिनांक 10.06.2026 संशोधित एस.ओ.आर)	02 माह	सामान्य मद
02	मदर टेरेसा वार्ड क्रमांक 47 अंतर्गत तेलीबांधा स्थित बी.एस.यू.पी. कॉलोनी में ब्लाक 36 से 40 तक 1" एवं 2" पाईप लाइन मरम्मत कार्य। **(द्वितीय निविदा)**	2.99	3000/-	750/-	'डी' एवं इससे ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी.एच.ई. दिनांक 01.06.2020 संशोधित एस.ओ.आर)	02 माह	साधारण मद

1. निविदा के दस्तावेज रजिस्टर्ड पोस्ट/स्पीड के माध्यम से प्रस्तुत करना होगा।
2. कार्य से संबंधित अन्य जानकारी एवं शर्तें कार्यालयीन दिवस में जोन क्रमांक– 03 नगर पालिक निगम, रायपुर कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
3. निविदा जमा करने की तिथि एवं खोलने के तिथि में किसी वजह से अवकाश घोषित होता है तो वह कार्यालयीन दिवस में किया जावेगा।
4. कार्यालय में निर्धारित समय एवं तिथि के पश्चात् विलम्ब से प्राप्त होने वाले निविदाओं में कोई विचार नहीं किया जावेगा।
5. शासकीय अवकाश या आकस्मिक अवकाश की स्थिति में तिथि व समय में परिवर्तन का अधिकार जोन आयुक्त के पास सुरक्षित होगा।
6. किसी भी निविदा को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार नगर निगम रायपुर के पास सुरक्षित है।
7. संचालनालय, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की ई–मेल आई.डी. datacenter.uad.cg@nic.in आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है।
8. नियम व शर्तें कार्यालय के नोटिस बोर्ड में देखी जा सकती है।
9. उक्त निविदा नगर पालिक निगम, रायपुर के वेबसाईट nagarnigamraipur.nic.in में देखी जा सकती है।

घरों से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देंवें

जोन आयुक्त
जोन क्रमांक–03
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com
पत्र क्रं./37144/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 23-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 37144
वार्ड का नाम-35- हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 35 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR436N024AH** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **BHAJAN LAL PRAJAPATI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BAJARANG LAL PRAJAPATI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री भैरव नाथ साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री राजेन्द्र साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री पी. डी. घृतलहरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com
पत्र क्रं./37140/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 23-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 37140
वार्ड का नाम-35- हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 35 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR235I00093** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **B. S. SALUJA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **INDARSINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती पुष्पा थेर** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री श्याम लाल थेर** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री पी. डी. घृतलहरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com
पत्र क्रं./37139/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 23-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 37139
वार्ड का नाम-35- हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 35 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR436K00012** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **NASIMA BANO W/O KAYYUM ALI , RASIDA W/O HAIDAR ALI** पिता/पति, श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **मोहम्मद अंसार** पिता/पति, श्री/श्रीमती **अब्दुल सत्तार** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री पी. डी. घृतलहरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com
पत्र क्रं./37138/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 23-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 37138
वार्ड का नाम-35- हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 35 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR436K00013** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **RUKHSHANA BEGAM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MUZAFFAR ALI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **मोहम्मद अंसार** पिता/पति, श्री/श्रीमती **अब्दुल सत्तार** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री पी. डी. घृतलहरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्र./37103/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 23-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 37103
वार्ड का नाम- 16 वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107K00140** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MUNNI BAI SEN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BALIRAM SEN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SAMIR SEN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O SHANKAR SEN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **01.MALMA VIKRAYA IKARARNAMA 02. SHAPAT PATRA 03. TAX RASHID KE AADHAR PAR** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्र./37102/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 23-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 37102
वार्ड का नाम- 17 ठक्कर बापा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR109C00222** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **CHANDRASHEKHAR YADAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MAHETRU RAM YADAV** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **01. DEVENDRA KUMAR DUBEY 02. AMIT KUMAR DUBEY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O PREM SHANKAR DUBEY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्र./37062/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 23-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 37062
वार्ड का नाम- 17 ठक्कर बापा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107D00059** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PINKU GUPTA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE SUBHASH GUPTA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **01. JYOTI JAISWAL 02. VIVEK JAISWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **01. W/O VIVEK JAISWAL 02. S/O AJAY JAISWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्र./37051/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 23-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 37051
वार्ड का नाम-4 यतीयतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 4 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104D0420B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PALASH TAUNK** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DEEPAK TAUNK** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **01. GAUTAM SINGH DANDEKAR 02 OMENDRA SINGH DANDEKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O KRISHNA KUMAR DANDEKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छ0ग0)

सूचना पत्र

क्रमांक / / वाचक / अति. तहसीलदार/2026
रायपुर, दिनांक 19/11/2026
प्रकरण क्रमांक
ग्राम - मठपुरैना प0ह0नं0 61
प्रति,
पूर्णिमा ट्रेडिंग मटेरियल सप्लाई द्वारा श्री मानप्रताप सिंह भदौरिया पिता श्री अवधेश सिंह भदौरिया निवासी- सरकारी स्कूल के पास, नहर रोड भाठागांव रायपुर (छ.ग.)

00

इस नोटिस के जरिये आपको सूचना दी जाती है कि **रोज़श करडभुजे पिता श्री जनार्दन करडभुजे निवासी-हनुमान मंदिर टिकरापारा रायपुर छ.ग.** द्वारा इस न्यायालय में नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि आवेदक के स्वामित्व व **आधिपत्य की भूमि ग्राम-मठपुरैना प.ह.न. 61 रा.नि.म. रायपुर** में स्थित भूमि **खसरा नंबर 69/13 रकबा 0.0113 हैं,** धारित की जाती है। आवेदक ने उपरोक्त भूमि को पंजीकृत बैनामा निष्पादित कर कय किया था है। लेकिन वर्तमान आनलाईन में भुईया में नाम दर्ज नही है। अत: आवेदक द्वारा भुईया में आनलाईन अभिलेख दुरूस्ती कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। इस कारण आपको इस नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि आप नियत सुनवाई **दिनांक 30/11/2026** को स्वत: अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें अन्यथा प्रकरण में आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही किया जावेगा ।
आज **दिनांक 19/11/2026** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार, रायपुर. (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्र./36779/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 14-11-2026

इश्तिहार

**नामांतरण प्र.क्र.

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

छत्तीसगढ़

रायपुर, मंगलवार 24 नवंबर 2026

अतरमरा पंचायत में 15वें वित्त की राशि में बड़ा घोटाला! जांच में मिले फर्जी बिल-वाउचर, बिना GST नंबर के भुगतान का खुलासा

EOW की शिकायत पर जिला स्तरीय टीम ने की जांच, 90 बिल-वाउचरों में मिली गंभीर अनियमितताएं; ऑडिटर की भूमिका भी संदेह के घेरे में

गरियाबंद (विश्व परिवार)। पंचायतों में सरकारी धन के बंदरबांट का एक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। छुरा विकासखंड की ग्राम पंचायत अतरमरा में 15वें वित्त आयोग की राशि के खर्च में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच के दौरान फर्जी बिल-वाउचर, बिना त्रस्ज्ञ नंबर के भुगतान और बिलों में जरूरी विवरण गायब होने जैसी गंभीर गड़बड़ियां उजागर हुई हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि कई बिलों में न तो बिल क्रमांक दर्ज है और न ही दिनांक। कुछ भुगतान ऐसे फर्मों के नाम पर किए गए, जिनके बिलों में त्रस्ज्ञ नंबर तक नहीं है। इस पूरे मामले ने तत्कालीन पंचायत सचिव चेतन सोनकर के कार्यकाल में हुए वित्तीय लेन-देन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण एवं एंटी करप्शन ब्यूरो (EOW/ACB) रायपुर ने शिकायत पर संज्ञान लेते हुए कलेक्टर गरियाबंद को जांच एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए पत्र जारी किया था। EOW/ACB के पत्र क्रमांक ब्यू.रो/शिका./आर-808(26)/M-18061/2026, दिनांक 29 अक्टूबर 2026 के आधार पर जिला पंचायत गरियाबंद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने 19 नवंबर 2026 को चार सदस्यीय जिला स्तरीय जांच समिति गठित की।

समिति में उप संचालक पंचायत, कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, जिला अंकेक्षक पंचायत तथा तकनीकी समन्वयक को शामिल किया गया। समिति को पांच दिवस के भीतर जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे।

जांच के दौरान 90 बिल-वाउचर खंगाले, अधिकतर में मिली गड़बड़ी- उप संचालक पंचायत द्वारा 20 नवंबर को जारी पत्र के अनुसार 23 नवंबर 2026 को सुबह 11 बजे जांच टीम ग्राम पंचायत अतरमरा पहुंची। इस दौरान तत्कालीन पंचायत सचिव चेतन सोनकर, वर्तमान पंचायत सचिव, सरपंच एवं शिकायतकर्ता को आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए थे।

जांच समिति ने वर्ष 2020-21 से 2023-24 तक कराए गए 39 निर्माण कार्यों से संबंधित कुल 90 बिल-वाउचरों की जांच की। जांच में अधिकतर बिलों में बिल क्रमांक, दिनांक एवं त्रस्ज्ञ नंबर नहीं होने की अनियमितता सामने आई। कई बिलों के माध्यम से वास्तविक खर्च से अधिक राशि



दर्शाए जाने की आशंका भी सामने आई है।

RTI में छिपाए गए दो बिल भी जांच के दायरे में- मामले में एक और चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है। सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत जानकारी उपलब्ध कराते समय दो बिलों की जानकारी नहीं दी गई थी। जांच में रोशनी इलेक्ट्रॉनिक्स का बिल क्रमांक 65, राशि 51 हजार रुपये तथा राजीव इंटरप्राइजेस का बिना बिल क्रमांक वाला 8,700 रुपये का बिल सामने आया। दोनों बिलों में त्रस्ज्ञ नंबर नहीं होने की बात भी जांच में सामने आई है।

खाली बिल लेकर तैयार किए गए फर्जी वाउचर!- जांच के दौरान यह भी मामला सामने आया कि कई फर्मों से खाली बिल लेकर एक ही व्यक्ति द्वारा बिल-वाउचर तैयार किए जाने की आशंका है। गिट्टी, रेत और मुरूम की आपूर्ति के नाम पर अनधिकृत फर्मों के बिल तथा बिना रॉयल्टी के भुगतान संबंधी दस्तावेज भी जांच में मिले हैं। इसके अलावा 15वें वित्त आयोग की राशि से भुगतान के लिए निर्धारित नियमों का उल्लंघन किए जाने की बात भी सामने आई है।

इन अनियमितताओं के बावजूद ऑडिटर द्वारा कथित तौर पर आपत्तियां दर्ज नहीं किए जाने और गड़बड़ियों की अनदेखी किए जाने का मामला भी जांच के घेरे में है।

चार वर्षों में मिले 25 लाख से अधिक, खर्च के आंकड़ों में भी सवाल

ग्राम पंचायत अतरमरा को चार वित्तीय वर्षों में 15वें वित्त आयोग के तहत प्राप्त राशि और व्यय का विवरण इस प्रकार है–

वित्तीय वर्ष	प्राप्त राशि	व्यय राशि
2020-217	6,05,2467	2,28,745
2021-227	7,55,8907	8,38,988
2022-237	5,85,4447	8,73,087
2023-247	5,89,7087	2,97,152
कुल	**25,36,2887**	**24,37,972**

चार वर्षों में कुल 39 निर्माण कार्य कराए जाने का रिकॉर्ड सामने आया है। प्राप्त राशि और व्यय के आंकड़ों में भी वर्षवार अंतर दिखाई देता है, जिसकी वास्तविक स्थिति का परीक्षण जांच प्रतिवेदन के आधार पर किया जाना महत्वपूर्ण होगा।

शिकायतकर्ता ने सौंपे 62 पृष्ठों के दस्तावेज- शिकायतकर्ता खिलेश्वर गोस्वामी ने जांच समिति के समक्ष 62 पृष्ठों के संदिग्ध बिल-वाउचर एवं भुगतान संबंधी अभिलेख प्रस्तुत किए। इसके साथ ही तीन पृष्ठों का लिखित कथन एवं आवेदन भी सौंपा। शिकायतकर्ता ने मूल दस्तावेजों के आधार पर जांच की मांग की है, ताकि सरकारी राशि के भुगतान में हुई कथित अनियमितताओं की वास्तविक स्थिति सामने आ सके।

अब जांच प्रतिवेदन पर टिकी निगाहें- जांच के दौरान सामने आई गंभीर अनियमितताओं ने ग्राम पंचायत के वित्तीय प्रबंधन और ऑडिट व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जांच समिति ने बताया कि जांच प्रतिवेदन उच्च अधिकारियों को सौंपा जाएगा। अब देखना होगा कि जांच रिपोर्ट में किन लोगों की जिम्मेदारी तय होती है और सरकारी राशि के कथित दुरुपयोग पर दोषियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाती है।

संक्षिप्त समाचार

क्रोमा-कार्नी रिपोर्ट : प्रीमियम उत्पाद, पोर्टफोलियो विस्तार और नए बाजारों के दम पर दौड़ेगा भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर, 3 लाख करोड़ रुपये के अगले स्तर पर पहुंचने की उम्मीद

मुंबई : टाटा ग्रुप के भारत के अग्रणी ओमनीचैनल इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर, क्रोमा ने मुंबई के जुहू में अपना पहला स्टोर खोलने के 20 साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए, अपने 100वें वर्ष का जश्न मना रही ग्लोबल मैनेजमेंट कंसल्टिंग फर्म कार्नी के साथ साझेदारी में 'हाउ इंडिया अपग्रेड्स' (How India Upgrades) रिपोर्ट जारी की है। यह रिपोर्ट जांच करती है कि इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ भारत का संबंध कैसे विकसित हुआ है। इसके साथ ही, रिपोर्ट उन मुख्य वजहों की भी पहचान करती है जो देश में खरीदारी के अगले नए दौर को दिशा दे रही हैं। इन्फिनिटी रिटेल लिमिटेड - क्रोमा के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर शिबाशीष रॉय ने कहाः पिछले दो दशकों में हमने भारत के कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स बाज़ार को पहली बार प्रोडक्ट अपनाने के दौर से आगे बढ़कर अब बेहतर अनुभव, आकांक्षाओं और लगातार अपग्रेड करने की सोच की तरफ बदलते देखा है। 'हाउ इंडिया अपग्रेड्स' रिपोर्ट के ज़रिए हमने ग्राहकों के व्यवहार में आ रहे इन्हीं बदलावों और इस सेक्टर के भविष्य की दिशा को समझने की कोशिश की है। जैसे-जैसे तकनीक अधिक आधुनिक हो रही है। क्रोमा में हमारी भूमिका यही है कि हम सही उत्पाद, विशेषज्ञों की सलाह, किफायती समाधान और बिक्री के बाद बेहतरीन सर्विस के ज़रिए ग्राहकों की इलेक्ट्रॉनिक्स की ओनरशिप को आसान बनाएं, ताकि देश भर के ग्राहक पूरे भरोसे के साथ अपग्रेड कर सकें। कार्नी इंडिया की चेयरमैन कौशिका माधवन ने कहाः÷भारत की कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री का भविष्य इस बात से तय नहीं होगा कि कितने डिवाइस बेचे जा रहे हैं, बल्कि इस बात से तय होगा कि ग्राहक तकनीक के ज़रिए अपने जीवन स्तर को कैसे अपग्रेड कर रहे हैं। प्रीमियम उत्पाद की बढ़ती पसंद, उभरते हुए छोटे शहरों में बढ़ती मांग और ग्राहकों की बदलती उम्मीदों का यह मेल नवाचार, मूल्य निर्माण और दीर्घकालिक विकास के नए अवसर पैदा कर रहा है।

लोधेशवरधाम में वार्षिक, परिचय सम्मेलन, दीपावली मिलन समारोह संपन्न



रायपुर। लोधी क्षत्रिय समाज रायपुर के तत्वावधान में रविवार 22 नवंबर,2026 को लोधेशवरधाम लोधी क्षत्रिय समाज रायपुर छत्तीसगढ का वार्षिक सम्मेलन, युवक- युवती परिचय सम्मेलन, दीपावली मिलन समारोह एवं स्मारिका का विमोचन कुम्हारी टोल प्लाजा के पास स्थित लोधेश्वरधाम में बडे ही हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि। लोधेशवरधाम के विशेष बुलावा पर पिछोर ग्वालियर मध्यप्रदेश चंबल के टाईगर एवं लोधी समाज के मसीहा प्रीतम सिंह लोधी, मुख्य अतिथि थे।। मुख्य आतिथ्य के आसंदी से बोलते उन्होंने कहा कि लोधी समाज का बडा इतिहास रहा है, उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश में समाज का अच्छा जनाधार हैायुवायों को समाज से जुडकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने युवाओं को नशा से मुक्त रहने की अपील की है। अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि समाज को एकजुट हमेशा कार्य करना चाहिए। वहीं वृन्दावनधाम की महामण्डलेश्वर साध्वी अंबालिका किशोरी प्रमुख अतिथि के रूप में उन्होंने नारी शक्ति को प्रेरणादायक उद्बोधन दी । नर्मदापूरम की पैतृक किशोरी जी ने बहुत ही मधूर अमृतवाणी भजन हिलोर लेवे...माई नर्मदा.. हिलोर लेवे...उनहोने आध्यात्मिक वक्ता के रूप में शामिल थी। लोधेशवरधाम केअध्यक्ष सुरेश कुमार सुलाखे ने बताया कि इस वर्ष का बडा ऐतिहासिक रहा है, कार्यक्रम में हिन्दुस्तान के कोने -कोने से स्वजातीय भाई-बहन और बंधूओ भी अधिक संख्या में शामिल रहे है ।इस अवसर पर लोधी समाज । साथ ही जगराता गायिका नारायणगंज मध्यप्रदेश से रंजीता लोधी, बालाघाट मध्यप्रदेश की बेटी और मंडला मध्यप्रदेश की बहू गंगेश्वरी दमाहे-नगपुरे अपनी सुरीली आवाज से कार्यक्रम में चार- चांद लगा दिया । उन्होने लोधेशवरधाम पर आधारित गीत और मंडला .की महारानी अवंती लोधी जीवन पर आधारित ऐतिहासिक रचना को गीत के माध्यम से शामिल प्रस्तुति दी । इसके अलावा कन्हैया मस्करे बालाघाट मध्यप्रदेश की संगीतमय धूनों से कार्यक्रम में समां बंधाए रहा । लोधी समाज की बेटी लोक गायिका दीसी उपारकर द्वारा छत्तीसगढ की राजगीत अरपा पैरी की धार, महानदी अपार... राजगीत प्रस्तुत की। प्रतिवर्षानुसार होने वाले कार्यक्रम की अपेक्षा इस साल कार्यक्रम को और भी वृहद रूप में आयोजन बडे हर्षोल्लासके साथ संपन्नहुआ। , .। उल्लेखनीय है कि लोधेशवरधाम की ओर से समाज के विवाह योग्य युवक- युवतियों का परिचय सम्मेलन में सैकडों की संखया में अपना परिचय दिया ।

नगरनार स्टील प्लांट के काले पानी से बर्बाद हो रही फसल! 5 साल से परेशान किसान मुआवजा मांगने पहुंचे एनएमडीसी

जगदलपुर। बस्तर में किसानों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। नगरनार स्टील प्लांट से निकलने वाले कथित केमिकल युक्त काले पानी के कारण नगरनार और कस्तूरी क्षेत्र के किसान पिछले चार-पांच वर्षों से परेशान हैं। किसानों का आरोप है कि यह पानी खेतों में पहुंचकर उनकी फसलों को नुकसान पहुंचा रहा है। इस बार बाढ़ की मार झेलने के बाद बची हुई फसल भी बर्बाद हो गई है।

किसानों के मुताबिक, अकेले कस्तूरी क्षेत्र में करीब 500 से 700 एकड़ और नगरनार सहित आसपास के इलाकों में कुल 2 हजार से 2,500 एकड़ तक की फसल को नुकसान पहुंचा है। किसानों का कहना है कि कई बार एनएमडीसी प्रबंधन और प्रशासन से शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। पहले फसल नुकसान की भरपाई के लिए कुछ राशि दी जाती थी, लेकिन अब वह भी बंद हो गई है।



इसी समस्या को लेकर किसान एनएमडीसी प्रबंधन के पास पहुंचे और तीन प्रमुख मांगें रखीं। खेतों की ओर बहने वाले काले पानी को तत्काल रोका जाए, प्रभावित फसलों का उचित मुआवजा दिया जाए और पानी के बहाव से क्षतिग्रस्त हुए खेतों तक पहुंचने वाले रास्तों की मरम्मत कराई जाए।

किसानों का कहना है कि लगातार नुकसान के कारण अब खेती और परिवार का भरण-पोषण मुश्किल हो रहा है। किसान लक्ष्मण सेठिया के मुताबिक, प्रबंधन ने उनकी मांगों को आगे बढ़ाते हुए आठ दिनों के भीतर जवाब देने का आश्वासन दिया है। किसानों ने स्पष्ट किया है कि यदि जल्द ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो वे दोबारा एनएमडीसी गेट के सामने आंदोलन करेंगे।

भगवान शालीग्राम के साथ माता तुलसी का श्रीशुभ विवाह हुआ सम्पन्न

जगदलपुर। श्रीश्री जगन्नाथ मंदिर में 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज के द्वारा श्रीशुभ तुलसीविवाह का आयोजन किया गया। श्रीश्री जगन्नाथ मंदिर में आज सुबह से ही 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज के ब्राह्मणों के द्वारा वैदिक मंत्रोचार के साथ विधि-विधान के साथ भगवान शालीग्राम के साथ श्रीशुभ तुलसीविवाह जारी रहा। वर पक्ष की जिम्मेदारी जितेंद्र कुमार पाण्डे एवं उनके परिवार, ग्राम गुरिया तथा वधु पक्ष की जिम्मेदारी अश्वनी पाणिग्राही एवं उनके परिवार, ग्राम सुधापाल द्वारा विवाह के रस्मों का निर्वहन किया 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डे ने बताया कि परंपरानुसार प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी समाज के सदस्यों की उपस्थिति में दिन में विवाह के रस्मों का निर्वहन किया जाता रहा देर शाम शुभ मुहर्त में श्रीश्री जगन्नाथ मंदिर से वर पक्ष भगवान शालीग्राम ओर जितेन्द्र कुमार पाण्डे के नेतृत्व में



भगवान शालीग्राम की बरात जगन्नाथ मंदिर से निकाल कर रथ परिक्रमा स्थल गोलबाजार चौक, दंतेश्वरी मंदिर चौक से होकर वापस जगन्नाथ मंदिर पहुंची जहां वधु पक्ष अश्वनी पाणिग्राही व उनके परिवार, ग्राम सुधापाल एवं समाज के सदस्यों द्वारा भगवान सालीग्राम का स्वागत कर भगवान शालीग्राम एवं माता तुलसी का श्रीशुभ विवाह विधि-विधान पूर्वक संपन्न किया गया। इस दौरान समाज के 14 क्षेत्र के सदस्य शामिल हुए।

संजय बाजार के व्यापारियों ने बाजार क्षेत्र में व्याप्त विभिन्न समस्याओं को लेकर नगर निगम प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया



जगदलपुर। संजय बाजार के व्यापारियों ने बाजार क्षेत्र में व्याप्त विभिन्न समस्याओं को लेकर नगर निगम प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया है। व्यापारियों ने अपनी समस्याओं को निगम प्रशासन के समक्ष रखते हुए जल्द निराकरण की मांग की। व्यापारियों ने बाजार की व्यवस्थाओं में सुधार, नियमित साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य जरूरी सुविधाओं को बेहतर बनाने की आवश्यकता बताई। उनका कहना है कि बाजार में बेहतर व्यवस्था होने से व्यापारियों के साथ-साथ खरीदारी के लिए आने वाले आम नागरिकों को भी सुविधा मिलेगी। व्यापारियों ने निगम प्रशासन से मांग की है कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के माध्यम से आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि संजय बाजार की व्यवस्थाएं सुचारु हो सकें

छोटे कड़मा में आबकारी विभाग की दबिश, मध्यप्रदेश का शराब बस्तर में खपने से पहले पकड़ा

जगदलपुर। बस्तर जिले में अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण और परिवहन के खिलाफ आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मध्यप्रदेश निर्मित गोवा ब्रांड की भारी मात्रा में विदेशी शराब जब्त की है। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर आबकारी विभाग की वृत्त जगदलपुर टीम ने दरभा थाना क्षेत्र के छोटे कड़मा में दबिश देकर 1,261.8 बल्क लीटर अवैध विदेशी मदिरा बरामद की। इस कार्रवाई में शराब तस्करी के लिए इस्तेमाल किए जा रहे तीन वाहनों को भी जब्त किया गया है।

आबकारी विभाग के अनुसार, कार्रवाई के दौरान कुल 140 पेटी और 10 नग में रखी 7,010 नग विदेशी मदिरा स्प्रिट बरामद हुई। जब्त शराब की अनुमानित कीमत 9 लाख 46 हजार 350 रुपये बताई



गई है।

शराब परिवहन में इस्तेमाल किए जा रहे तीन वाहनों में अशोक लीलैंड पिकअप (क्रमांक CG 17 LB 2598), एक बोलेरो वाहन (क्रमांक CG 17 KS 5558) और एक पैशन प्रो मोटरसाइकिल (क्रमांक CG 17 KH 6082) शामिल हैं। इनकी कुल अनुमानित कीमत 11 लाख 50 हजार रुपये बताई गई है। इस तरह शराब और वाहनों सहित जब्त संपत्ति की कुल कीमत 20 लाख 96 हजार रुपये आंकी गई है।

मामले में आबकारी विभाग ने सुनील सेठिया, पिता बीडो राम सेठिया, निवासी राजुर, थाना परपा को फरार बताया है। वहीं प्रवीण बघेल, पिता जलदेव बघेल, उम्र 18 वर्ष, निवासी चितापुर, थाना दरभा सहित दो विधि से संघर्षरत बालकों को भी प्रकरण में शामिल किया गया है।

आबकारी विभाग ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क), 34(2), 36 एवं 59(क) के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

इस कार्रवाई में विवेचक अधिकारी अंकित सिंह राठौर के साथ आबकारी मुख्य आरक्षक दुर्गा पटेल, शैलेष पाण्डे, आरक्षक कविश यादव और वाहन चालक हेमराज बघेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बाढ़ प्रभावित किसानों की आर्थिक नाकेबंदी की तैयारी तेज, नारायणपाल में हुई किसानों की बैठक

जगदलपुर (विश्व परिवार)। इंद्रावती एवं नारंगी नदी की भीषण बाढ़ और अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों की समस्याओं को लेकर बस्तर में किसान आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। इसी कड़ी में आज नारायणपाल-घोटिया में किसानों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रस्तावित आर्थिक नाकेबंदी को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। साथ ही बुधवार, 25 नवंबर को मुरिया सदन में आयोजित होने वाली महत्वपूर्ण बैठक में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने के लिए किसानों से आग्रह किया गया। इस बैठक में भैंसगांव, बोदरा, नारायणपाल, घोटिया, कुरुसपाल, तीरथा एवं गुनपुर-रतेंगा सहित आसपास के गांवों के किसान उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व सरपंच सुखरू बघेल ने कहा कि किसानों को अपने हक और अधिकारों की लड़ाई एकजुट होकर लड़नी होगी। जब तक किसान सड़क पर उतरकर संघर्ष नहीं करेंगे, तब तक सरकार उनकी समस्याओं पर गंभीरता से कार्रवाई नहीं करेगी। इसलिए सभी किसानों को एकजुट होकर आंदोलन में भाग लेना चाहिए। जब तक हम लड़ेंगे नहीं, तब तक हमें हमारा अधिकार नहीं मिलेगा। नकुल भारती ने फसल बीमा की राशि को लेकर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि किसानों के खातों से बिना पूछे बीमा की राशि काट ली जाती है, लेकिन जरूरत पड़ने पर किसानों को बीमा का



लाभ नहीं मिल रहा है। ऐसी स्थिति में किसानों का फसल बीमा व्यवस्था से भरोसा उठता जा रहा है। बीमा राशि और किसानों के अधिकारों को लेकर सभी को एकजुट होकर आवाज उठानी होगी। वहीं जगदू राम कश्यप ने कहा कि देश के अलग-अलग हिस्सों में किसानों ने अपने अधिकारों के लिए संगठित होकर संघर्ष किया है। भोपाल में गेहूं की फसल के नुकसान और मुआवजे को लेकर किसानों ने मजबूती से अपनी लड़ाई लड़ी, वहीं कवर्धा में गन्ने के उचित न्यूनतम समर्थन मूल्य की मांग को लेकर किसानों ने आंदोलन किया। इन उदाहरणों से सीख लेते हुए बस्तर के किसानों को भी एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। जब तक किसान अपने अधिकारों के लिए मजबूती से नहीं लड़ेंगे, तब तक उनकी समस्याओं का समाधान संभव नहीं है। पूरन सिंह कश्यप ने कहा कि किसानों की लड़ाई केवल एक बार की नहीं है, बल्कि जब-जब किसानों के सामने समस्याएं आएंगी, तब-तब हमें उनके साथ खड़े होकर संघर्ष करना होगा। अत्यधिक बारिश और बाढ़ की स्थिति में किसानों को मुआवजा दिलाने के लिए लड़ना होगा, वहीं सूखा घोषित होने की स्थिति में भी किसानों के अधिकारों की आवाज उठानी होगी। इसके अलावा खाद, दवाई, बीज और अन्य बुनियादी कृषि सुविधाओं के लिए भी लगातार संघर्ष जारी रखना होगा। किसानों की समस्याओं का स्थायी समाधान होने तक यह लड़ाई जारी रहनी चाहिए।बैठक में किसानों ने आगामी आर्थिक नाकेबंदी की रणनीति को सफल बनाने के लिए गांव-गांव में किसानों को जागरूक करने और अधिक से अधिक संख्या में एकजुट करने पर जोर दिया। इस दौरान सुखरू बघेल, संपत बघेल, नकुल भारती, भक्तु नाग, पनकू कश्यप, बीटों राम भारती, गोविंद सेठिया, सुखमन भारती, भागीरथी कश्यप सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।



संपादकीय

भारत को क्या आपत्ति!

फ्रेंच कंपनियों ने कहा है कि वे भारत में राफेल विमान के बड़े हिस्से का उत्पादन करने पर सहमत हुई हैं, लेकिन विमान के मूल डिजाइन, महत्त्वपूर्ण तकनीक और संवेदनशील पुर्जों पर अपना नियंत्रण बनाए रखेंगी। राफेल लड़ाकू विमान बनाने वाली कंपनी दसॉ एविएशन और इंजन निर्माता कंपनी सफ्रान ने साफ किया है कि वे भारत में विमान और उसके इंजन के बड़े हिस्से का उत्पादन करने पर सहमत हुई हैं, लेकिन विमान के मूल डिजाइन, महत्त्वपूर्ण तकनीक और इंजन के संवेदनशील पुर्जों पर अपना नियंत्रण बनाए रखेंगी। फ्रांस में इस संबंध में उठे सवालों पर इन कंपनियों ने यह स्पष्टीकरण दिया। इस क्रम में यह मुद्दा फिर उठा है कि फ्रांस किस हद तक भारत को तकनीक ट्रांसफर के लिए राजी हुआ है? पहले दोनों देशों की सरकारों की तरफ से कहा गया था कि दसॉ भारत को टेक्नोलॉजी भी देगी। लेकिन अब इसका मतलब बताया गया है यह प्रक्रिया सिर्फ विमान के पुर्जे बनाने, ढांचा तैयार करने, इंजन असेंबल करने और रखरखाव तक सीमित होगी। ये कंपनियां अपनी गोपनीय और संवेदनशील तकनीकों- मसलन, सॉफ्टवेयर का सोर्स कोड, रडार का एल्गोरिदम, और इंजन के सबसे अहम अंदरूनी हिस्सों से जुड़ी तकनीक भारत को नहीं देंगी। यानी कंपनियों ने एक 'लक्ष्मण रेखा' तय कर दी है। अब यह भारत सरकार पर है कि इस बारे में अपना रुख बताए। उसे देशवासियों को बताना चाहिए 114 विमानों की खरीद का करार होते वक्त क्या सहमति बनी थी? वैसे संभव है कि फ्रेंच कंपनियों की तरफ दी गई सफाई भारत सरकार के लिए कोई बड़ा मुद्दा नहीं हो। इसलिए कि पिछले हफ्ते ही विशाखापत्तनम में आयोजित सीआईआई पार्टनरशिप समिट में विदेशी निवेशकों को संबोधित करते हुए वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि हम आपसे प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की मांग नहीं करते, और ना ही तकनीक चुराते हैं। इसके पहले वे नीदरलैंड्स में संदेश दे चुके थे कि भारत में कर्मचारियों के काम के घंटे या दिन तय नहीं होते! यानी विदेशी निवेशकों को उनकी शर्तों पर लुभाना फिलहाल भारत सरकार की प्राथमिकता है। निवेश के डॉलर से व्यापार घाटे की भरपाई और कुछ नौकरियां पैदा होने के लक्ष्य से वह संतुष्ट है। लेकिन दीर्घकालिक एवं आत्म-निर्भर विकास के नजरिए से यह भारतवासियों की प्राथमिकता नहीं हो सकती। इसलिए फ्रेंच कंपनियों का स्पष्टीकरण उनकी नजर में बड़ा मुद्दा होना चाहिए।

एक दशक, जिसने भारत में गरीबी की तस्वीर बदल दी

श्रीमती निर्मला सीतारामन

लेखिका भारत सरकार में केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री हैं

एक साल पहले जब मैं नागालैंड की दुर्गम पहाड़ियों में बसे आकांक्षी जिले किफिरे गई थी, तो



वहाँ स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी आदिवासी महिलाओं से संवाद करने का अवसर मिला। उन्हीं में एक 'लखपति दीदी' एस्थर भी थीं। उन्होंने बड़े गर्व से बताया कि मोटे अनाज से बने उनके उत्पाद अब ऑनलाइन माध्यम से नागालैंड की सीमाओं से निकलकर देश के दूर-दराज के ग्राहकों तक पहुँच रहे हैं। उनके भीतर बेहतर भविष्य का जो आत्मविश्वास था, वह मेरे मन में बस गया। मैंने उनसे कहा कि वे और बड़े सपने देखें और 'करोड़पति दीदी' बनें। उनकी कहानी उस बड़े बदलाव की बानगी थी, जो आज देश के सबसे सुदूर इलाकों तक पहुँच चुकी है - जहाँ भौगोलिक और आर्थिक चुनौतियों ने दशकों तक अवसरों को जकड़ रखा था, लेकिन अब नई उम्मीदें आकार ले रही हैं। पिछले महीने जब विश्व बैंक ने भारत में गरीबी और समानता पर अपनी ताजा रिपोर्ट जारी की, तो मुझे किफिरे की वह मुलाकात फिर याद आ गई। रिपोर्ट बताती है कि 2011 से 2023 के बीच करीब 50 करोड़ भारतीय गरीबी के चक्र से बाहर निकले हैं और देश में अत्यधिक गरीबी लगभग खत्म हो चुकी है। ये आँकड़े उसी बदलाव की गवाही देते हैं, जिसे मैंने खुद जमीन पर महसूस किया था। एक दौर था जब हालात बिल्कुल उलट थे। आजादी के छह दशक बाद भी बड़े पैमाने पर गरीबी हटाना एक अधूरा सपना ही बना रहा। 2010 के दशक की शुरुआत में भी दुनिया भारत को एक ऐसे देश के रूप में देखती थी जहाँ अभाव स्थायी है, जहाँ स्वच्छता, पोषण, स्वच्छ ईंधन और बैंकिंग जैसी बुनियादी सुविधाएँ आम आदमी की पहुँच से दूर थीं। तब यही मान लिया गया था कि गरीबों के हाथ में कुछ नकद थमा देने से गरीबी अपने आप खत्म हो जाएगी। बीते एक दशक ने इस पुरानी सोच को पूरी तरह बदल दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने तात्कालिक राहत के बजाय उन जड़ों पर प्रहार किया है, जो गरीबी को बार-बार जन्म देती हैं। पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति के कल्याण यानी 'अंत्योदय' के मंत्र को अपनाते हुए हमारी सरकार ने कठिन लेकिन स्थायी रास्ता चुना, हर परिवार की जरूरतों को समझा और यह सुनिश्चित किया कि विकास का लाभ वास्तव में सबसे जरूरतमंद तक पहुँचे।

सटीक लक्ष्य, ठोस परिणाम

गरीबी का अर्थ सिर्फ कम आमदनी नहीं है। यदि किसी परिवार के पास पक्की छत, साफ पानी, शौचालय या इलाज की सुविधा न हो, तो कमाई बढ़ने के बाद भी वह असुरक्षित ही रहता है। एक गंभीर बीमारी उसकी वर्षों की जमा-पूँजी छीनकर उसे फिर से गरीबी के गर्त में धकेल सकती है। यही कारण है कि हमारी सरकार ने हर योजना को जरूरतमंदों की वास्तविक समस्या के अनुरूप गढ़ा और उसके ठोस परिणामों पर जोर दिया। यह बदलाव किसी जादू से नहीं आया। इसके लिए लाभार्थियों की सही पहचान, जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन और आखिरी घर तक लाभ पहुँचने की निरंतर निगरानी जरूरी थी। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं हर योजना की बारीकी से समीक्षा की, जहाँ अड़चनें आईं उन्हें दूर किया और पारदर्शिता के लिए तकनीक के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया। इसी निरंतरता ने सरकारी नीतियों को आम लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव का माध्यम बना दिया।

घर से शुरू हुई सेहत और सम्मान की राह

कोई भी परिवार तब तक आगे नहीं बढ़ सकता, जब तक बीमारी और रोजाना पानी ढोने की मशक्कत उसकी ऊर्जा और संसाधन निगलती रहे। 'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत घर-घर शौचालय बनने से न केवल सम्मान मिला, बल्कि एक अनुमान के अनुसार हर साल 60 से 70 हजार शिशुओं की अकाल मृत्यु रोकने में मदद मिली। 'जल जीवन मिशन' के जरिए ग्रामीण घरों में नल से जल के कनेक्शन 2019 के करीब 3 करोड़ से बढ़कर आज लगभग 16 करोड़ तक पहुँच गए हैं। इससे महिलाओं और बेटियों को पानी के लिए मीलों पैदल चलने से मुक्ति मिली और जलजनित बीमारियों का खतरा भी घटा। इसी तरह 'उज्ज्वला योजना' ने रसोई को धुएँ से आजाद किया, तो 'पीएम आवास योजना' ने पक्के घर की सुरक्षा और गरिमा दी। वहीं,'आयुष्मान भारत' के तहत कैशलेस इलाज ने बीमारी के भारी-भरकम खर्च से परिवारों को सुरक्षा कवच प्रदान किया। इन योजनाओं ने मिलकर एक ऐसे सुरक्षा चक्र का काम किया है, जिसने घरेलू खर्च घटाया, काम के लिए समय बचाया और परिवारों को दोबारा गरीबी में फिसलने से रोका।

बैंक खाते से उद्यमिता की उड़ान*

सामाजिक सुरक्षा परिवारों को संबल देती है, लेकिन आर्थिक रूप से ऊपर उठने के लिए आजीविका के अवसर जरूरी हैं। करोड़ों भारतीयों के लिए इस नई शुरुआत की पहली सीढ़ी एक बैंक खाता बना। कभी यह कड़वा सच माना जाता था कि सरकारी खजाने से निकले एक रुपये में से सिर्फ पंद्रह पैसे ही आम आदमी तक पहुँचते हैं। 'डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर' ने इस व्यवस्था को इतिहास बना दिया। आज 59 करोड़ से अधिक 'जन धन' खातों के जरिए सरकारी मदद बिना किसी बिचौलिए के सीधे हकदार के खाते में पहुँच रही है। तकनीक ने इसे अभूतपूर्व पैमाने पर संभव कर दिखाया। बैंक खाते ने लोगों को सुरक्षित बचत की आदत दी और उनका वित्तीय रिकॉर्ड तैयार किया, जिससे संस्थागत कर्ज के रास्ते खुले। जिनके पास गिरवी रखने को कोई संपत्ति नहीं थी, उनके लिए यह पहला कर्ज जीवन बदलने वाला साबित हुआ। दो महीने पहले मुद्रा योजना के लाभार्थियों से बातचीत के दौरान मेरी भेंट पश्चिम बंगाल की सुष्मिता घराई से हुई। कोरोना महामारी में पिता को खोने के बाद उनके परिवार का प्रिंटिंग व्यवसाय पूरी तरह ठप हो गया था। न जमीन थी, न सोना, लेकिन बिना गारंटी वाले मुद्रा ऋण ने उन्हें अपना प्रेस दोबारा खड़ा करने की ताकत दी। आज वे आठ लोगों को रोजगार दे रही हैं, जो उनकी शुरुआती टीम से दोगुना है, और अब डिजिटल प्रिंटिंग में विस्तार की तैयारी कर रही हैं। उनका जज्बा उन करोड़ों युवाओं की आकांक्षाओं का प्रतीक है, जिनके हौसले उनके संसाधनों से कहीं बड़े हैं। अब तक मुद्रा योजना के तहत 60 करोड़ ऋण खाते स्वीकृत हो चुके हैं, जिनमें करीब दो-तिहाई महिलाओं के हैं। इसके साथ ही 'पीएम स्वनिधि' और 'पीएम विश्वकर्मा' जैसी योजनाएँ रेहड़ी-पटरी वालों और पारंपरिक कारीगरों को नई पहचान और आर्थिक मजबूती दे रही हैं। इस पूरे आर्थिक बदलाव की धुरी देश की महिलाएँ रही हैं। आज 10 करोड़ ग्रामीण महिलाएँ स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं, जो ष्ठङ्ख-ह्रक्ररूऔर अन्य पहलों के जरिए बचत, कौशल और उद्यमिता के मजबूत मंच बन गए हैं। 3.7 करोड़ से अधिक महिलाएँ 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं और कई अब 'करोड़पति दीदी' बनने की राह पर हैं। वहीं, 'नमो ड्रोन दीदी' के रूप में प्रशिक्षित महिलाएँ आज खेतों में ड्रोन से छिड़काव की आधुनिक सेवाएँ दे रही हैं। जो महिलाएँ कभी आर्थिक मुख्यधारा से बाहर थीं, वे आज खुद रोजगार देने वाली उद्यमी बन रही हैं।

विकसित भारत का संकल्प

पीढ़ियों तक यह मान लिया गया था कि भारत में गरीबी को केवल संभाला जा सकता है, मिटाया नहीं जा सकता। एक दशक पहले जो असंभव लगता था, वह वर्षों के निरंतर और सार्थक जमीनी प्रयासों से आज हकीकत बन चुका है। लेकिन यह ठहरने का समय नहीं है। 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य की अपनी नई चुनौतियाँ हैं। अगले चरण में हमें विकास की सीढ़ी के सबसे निचले पायदान पर बचे लोगों को भी गरीबी से बाहर निकालना है और यह सुनिश्चित करना है कि जो लोग आगे बढ़ चुके हैं, उनकी प्रगति निर्बाध जारी रहे। सामाजिक सुरक्षा के साथ-साथ अब वित्त, बाजार और डिजिटल अर्थव्यवस्था तक आम लोगों की पहुँच को और व्यापक बनाना होगा। सरकार रोजगार से जुड़े प्रोत्साहनों, इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप के जरिए शिक्षा और उद्योग के बीच मजबूत सेतु बना रही है, जबकि आधुनिक बुनियादी ढाँचे में निवेश देश को अभूतपूर्व गति से जोड़ रहा है। अब विकास के अवसर केवल कुछ चुनिंदा लोगों तक सीमित नहीं रह सकते। प्रधानमंत्री का कहना है कि आजादी की तरह ही 'विकसित भारत' भी एक ऐसा संकल्प है, जिसे हर देशवासी को जीना होगा। जो लक्ष्य छह दशकों तक अधूरा रहा, उसे दस वर्षों में साकार करने के बाद भारत अगले दो दशकों की ओर पूरे आत्मविश्वास से कदम बढ़ा रहा है। 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक शक्ति और संकल्प से 2047 तक विकसित भारत का सपना हमारी पहुँच में है - और हम सब मिलकर इसे अवश्य पूरा करेंगे।

आलेख

चीनी सामान पर लगे प्रतिबंध, स्वदेशी उद्योगों को मिले बढ़ावा

भारत एक विशाल बाजार है। यहां करोड़ों उपभोक्ता हैं और देश में उत्पादन, व्यापार तथा रोजगार की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। इसके बावजूद भारतीय बाजारों में विदेशी वस्तुओं, विशेषकर चीन में निर्मित सामान की बड़ी उपस्थिति दिखाई देती है। खिलौनों से लेकर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, सजावटी वस्तुओं, घरेलू उपयोग के सामान और त्योहारों में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं तक चीनी उत्पादों ने भारतीय बाजार में अपनी जगह बनाई है। ऐसे में एक महत्वपूर्ण सवाल उठता है कि जब इन वस्तुओं का उत्पादन भारत में संभव है, तो हम अपने ही देश के उद्योगों और कारीगरों को पर्याप्त अवसर क्यों नहीं दे पा रहे हैं? समय की मांग है कि भारत सरकार चीनी सामान के आयात पर कठोर और प्रभावी नीति बनाए। जिन वस्तुओं का निर्माण भारत में पर्याप्त मात्रा में हो सकता है, उनके आयात को चरणबद्ध तरीके से सीमित किया जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक हितों और घरेलू उद्योगों को ध्यान में रखते हुए संवेदनशील क्षेत्रों में आवश्यक प्रतिबंध भी लगाए जाएं। भारत में छोटे-छोटे उद्योग, कुटीर उद्योग, लघु व्यापारी और स्थानीय कारीगर रोजगार के लिए संघर्ष कर रहे हैं। दीपावली की सजावट, बिजली की झालरें, खिलौने, प्लास्टिक का सामान और अनेक घरेलू वस्तुएं यदि भारतीय उद्योगों में तैयार हों, तो लाखों लोगों को रोजगार मिल सकता है। लेकिन सस्ते आयातित सामान की प्रतिस्पर्धा में कई छोटे निर्माता और दुकानदार कठिनाइयों का सामना करते हैं। यह केवल व्यापार का प्रश्न नहीं, बल्कि देश की आर्थिक मजबूती और रोजगार से जुड़ा विषय है।जब हम देश में निर्मित वस्तुएं खरीदते हैं, तो उसका लाभ भारतीय उत्पादकों, श्रमिकों, दुकानदारों, परिवहन व्यवसायियों और छोटे उद्यमियों तक पहुंचता है। इससे देश के भीतर आर्थिक गतिविधियां बढ़ती हैं और रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं। सरकार को ऐसी औद्योगिक नीति बनानी चाहिए, जिससे भारतीय कंपनियों को सस्ती बिजली, आसान ऋण, आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और आवश्यक सुविधाएं मिल सकें। केवल आयात पर प्रतिबंध लगाने से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता और कीमत भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुरूप बनानी होगी। आज आवश्यकता है कि देश का प्रत्येक नागरिक खरीदारी करते समय यह विचार करे कि जिस वस्तु को वह खरीद रहा है, उसका निर्माण कहां हुआ है। यदि भारतीय उत्पाद उपलब्ध हैं और गुणवत्ता में बेहतर हैं, तो उन्हें प्राथमिकता दी जानी चाहिए। स्वदेशी का अर्थ केवल नारा लगाना नहीं, बल्कि भारतीय श्रमिकों, उद्यमियों और उद्योगों को आर्थिक सहयोग देना है। सरकार को भी चीन सहित किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता कम करने के लिए वैकल्पिक आपूर्ति व्यवस्था विकसित करनी चाहिए। साथ ही घरेलू उत्पादन को बढ़ाने के लिए अनुसंधान, तकनीक और कौशल विकास पर विशेष ध्यान देना चाहिए। भारत को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए सरकार, उद्योग जगत और आम नागरिकों को मिलकर प्रयास करना होगा। चीन से आने वाले उन उत्पादों पर उचित सीमा शुल्क, गुणवत्ता नियंत्रण और आवश्यकता के अनुसार आयात प्रतिबंध लागू किए जाएं, जिनसे भारतीय उद्योगों को नुकसान पहुंचता है। यह नीति विश्व व्यापार के नियमों और देश के व्यापक आर्थिक हितों के अनुरूप होनी चाहिए। अंततः भारत को ऐसा बाजार बनना चाहिए, जहां भारतीय उत्पादों को सम्मान और प्राथमिकता मिले। हमारा उद्देश्य किसी देश से व्यापारिक दुश्मनी करना नहीं, बल्कि अपने देश की उत्पादन क्षमता, रोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करना होना चाहिए। भारत की संपत्ति, भारत की मेहनत और भारत की पूंजी का अधिकाधिक लाभ भारत के नागरिकों को मिलना चाहिए। देश का पैसा देश में रहेगा, तो उद्योग बढ़ेंगे, व्यापार मजबूत होगा और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। अब समय आ गया है कि हम केवल विदेशी वस्तुओं के उपभोक्ता बनकर न रहें, बल्कि विश्वस्तरीय वस्तुओं के निर्माता भी बनें। स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देना ही मजबूत अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

अजय दीक्षित
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

देश की धरती से वैश्विक बाजारों तक फूलों का सफर

भारत के फूलों की खेती की अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी

भारत में फूलों की खेती का क्षेत्र बागवानी के एक गतिशील हिस्?से के रूप में उभरा है। इसे अनुकूल कृषि-जलवायु परिस्थितियों, सांस्कृतिक मांग और बढ़ते व्यावसायिक उपयोगों से प्रोत्साहन मिल रहा है। वर्ष 2025-26 के तृतीय अग्रिम अनुमानों के अनुसार, फूलों की खेती का क्षेत्रफल 4.1 लाख हेक्टेयर रहा और फूलों का उत्पादन 48.82 लाख टन हुआ, जिसमें देश में उत्पादन के मामले में आंध्र प्रदेश अग्रणी रहा। निर्यात में भी वृद्धि दर्ज की गई है। यह वित्त वर्ष 2021-22 के 216.74 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 258.26 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जो अंतरराष्ट्रीय मांग में वृद्धि को दर्शाता है। यह क्षेत्र धार्मिक, सजावटी, औद्योगिक और औषधीय बाजारों की जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ मूल्यवर्धित उत्पादन और निर्यात विविधीकरण के माध्यम से किसानों के लिए नए अवसर भी पैदा कर रहा है। बागवानी मिशनों, अनुसंधान संस्थानों, वित्तीय सहायता और निर्यात को सुगम बनाने के लिए सरकारी सहयोग से उत्पादन प्रणालियां सुदृढ़ हुई हैं। सीएसआईआर के नेतृत्व में की जा रही पहलों सहित वैज्ञानिक उपाय फसल विविधीकरण, क्षेत्रीय विशेषज्ञता और व्यापक बाजार पहुंच को बढ़ावा दे रहे हैं।

फलने-फूलने वाले उद्योग की जड़ें

भारत असाधारण प्राकृतिक विविधता वाला देश है, जहां बर्फ से ढके पर्वतों और उपजाऊ मैदानों से लेकर शुष्क रेगिस्तानों और लंबी तटरेखाओं तक विभिन्न प्रकार की भौगोलिक परिस्थितियां मौजूद हैं। यहां की विविध कृषि-जलवायु परिस्थितियां विभिन्न क्षेत्रों और मौसमों में खिलने वाले अनेक प्रकार के फूलों की खेती के लिए अनुकूल हैं। भारत में फूलों के गहरे सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और भावनात्मक महत्व के साथ मिलकर इन प्राकृतिक विशेषताओं ने फूलों की खेती के विकास को बढ़ावा दिया है। इसकी आर्थिक और सौंदर्यपरक संभावनाओं को पहचानते हुए, सरकार ने फूलों की खेती को उदीयमान उद्योग के रूप में चिह्नित किया है। भारतीय कृषि में कभी अपेक्षाकृत सीमित दायरे वाला यह क्षेत्र अब बागवानी क्षेत्र के एक गतिशील हिस्?से के रूप में विकसित हो चुका है। यह क्षेत्र किसानों की आय, कृषि निर्यात और ग्रामीण उद्यमों के विकास में योगदान दे रहा है तथा आधुनिक खेती की पद्धतियों और प्रौद्योगिकियों को तेजी से अपना रहा है। आज फूलों की खेती के अंतर्गत विविध प्रकार के उत्पाद, उत्पादन प्रणालियां और मूल्यवर्धित उपयोग शामिल हैं। उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग, बाजार के विस्तृत होते अवसर, नीतिगत सहयोग और तकनीकी प्रगति इस क्षेत्र की निरंतर वृद्धि को गति दे रहे हैं।

भारत के फूलों की अर्थव्यवस्था का विस्तृत अवलोकन

फूलों की खेती फूलों को उगाने की वह कला और विज्ञान है, जिसका उद्देश्य फूलों की गुणवत्ता और उनके सौंदर्यपूर्ण आकर्षण को उच्च स्तर तक पहुँचाना है। बागवानी की एक अभिन्न शाखा के रूप में, इसमें रोपण से लेकर कटाई तक फूलों और सजावटी फसलों की खेती शामिल है। इस क्षेत्र में बीज, कलम, बडिंग और ग्राफ्टिंग के माध्यम से रोपण सामग्री का उत्पादन भी किया जाता है। इसके अलावा, फूलों और फूलों से बने उत्पादों का विपणन भी फूलों की खेती के अंतर्गत आता है।

फूलों की खेती के अंतर्गत उत्पादों की श्रेणियां

खुले फूलों की कटाई लंबी डंठल के बिना की जाती है और इन्हें इसी रूप में बाजार में बेचा जाता है। आमतौर पर इनकी बिक्री वजन के आधार पर होती है और इनका उपयोग मुख्य रूप से मालाएं और गजरे बनाने में किया जाता है। गेंदा और चमेली इसके प्रमुख उदाहरण हैं। कटे हुए फूलों को डंठल के साथ काटा और बेचा जाता है। इनका इस्तेमाल आमतौर पर गुलदस्तों और फूलदानों में सजावट के लिए किया जाता है। इनके प्रमुख उदाहरण हैं— गुलाब, गेरबेरा, कार्नेशन, ऑर्किड और लिली। फूलों के अलावा, फूलों की खेती के अंतर्गत कटे हुए पत्ते, गमलों में लगाए जाने वाले पौधे, क्यारियों में रोपे जाने वाले पौधे तथा सजावटी पौधरोपण सामग्री भी शामिल हैं। इनमें पौधों को उगाने और पेड़-पौधे लगाकर जमीन के सौंदर्यीकरण के लिए उपयोग किए जाने वाले बीज भी शामिल हैं।

बाजार को आकार देने वाले फूल

भारत घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मांग के अनुरूप विभिन्न प्रकार के फूलों की खेती करता है। प्रमुख किस्मों में शामिल हैं: गुलाब: कर्नाटक और महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर उगाए जाते हैं; इनका निर्यात मूल्य अधिक है। गेंदा: धार्मिक अनुष्ठानों में उपयोग किया जाने वाला लोकप्रिय फूल है; इसकी खेती मुख्य रूप से तमिलनाडु और मध्य प्रदेश में बड़े पैमाने पर की जाती है। कार्नेशन, गुलदाउदी और जरबेरा: निर्यात के लिए नियंत्रित वातावरण में उगाए जाते हैं। लिली और ऑर्किड: सिक्किम और मिजोरम जैसे चुनिंदा क्षेत्रों में उगाए जाने वाले बेहतरीन फूल। विदेशी फूलों की मांग में वृद्धि हुई है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में ऑर्किड और एन्थ्यूरियम व्यावसायिक रूप से लाभकारी फसलें बनकर उभरे हैं। पेड़-पौधे लगाकर शहरी सौंदर्यीकरण, आयोजनों की सजावट और वेलनेस उद्योग में भी इन फूलों की लोकप्रियता बढ़ रही है।

खुले खेतों से संरक्षित खेतों तक

भारत में फूलों की खेती फसल की आवश्यकताओं के अनुसार खुले खेतों और ग्रीनहाउस जैसी संरक्षित कृषि प्रणालियों, दोनों के माध्यम से की जाती है। खुले खेतों में खेती आमतौर पर गुलदाउदी, गुलाब, गैलार्डिया, लिली, गेंदा, एस्टर और रजनीगंधा जैसी फसलों के लिए की जाती है। गुणवत्तापूर्ण फूलों की बढ़ती मांग और वर्षभर उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने की आवश्यकता के कारण ग्रीनहाउस जैसी संरक्षित खेती को अधिकाधिक अपनाया जा रहा है। ग्रीनहाउस विशेष रूप से जरबेरा और कार्नेशन जैसी निर्यातोन्मुख फसलों के लिए महत्वपूर्ण हैं। इनके माध्यम से तापमान, आर्द्रता और खेती की अन्य परिस्थितियों को बेहतर ढंग से नियंत्रित किया जा सकता है। इससे फूलों की गुणवत्ता में एकरूपता, उत्पादकता में वृद्धि और अंतरराष्ट्रीय बाजार के मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने में मदद मिलती है।

गुलदस्तों के अलावा: फूलों की खेती के विविध उपयोग

भारत में फूलों का दैनिक जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है और वे सांस्कृतिक, सामाजिक एवं धार्मिक परंपराओं से गहराई से जुड़े हुए हैं। इन पारंपरिक उपयोगों के अलावा, फूलों की खेती एक विविधतापूर्ण क्षेत्र के रूप में विकसित हुई है, जिसका उपयोग इत्र निर्माण, सौंदर्य प्रसाधन और औषधि उद्योगों में भी निरंतर बढ़ रहा है।

प्रमुख घरेलू उपयोग:

धार्मिक एवं सामाजिक परंपराएं ङ्क चमेली, गेंदा और क्रॉसेंड्रा जैसे फूलों का उपयोग पूजा-अर्चना, सामाजिक समारोहों और व्यक्तिगत सजावट में व्यापक रूप से किया जाता है।

जीवनशैली एवं सजावटी उपयोग ङ्क बढ़ते शहरीकरण और खर्च योग?य आय में वृद्धि के कारण गुलदस्ते भेंट करने, आयोजन स्थलों की सजावट तथा आवासीय एवं व्यावसायिक परिसरों के सौंदर्यीकरण की मांग बढ़ी है।

इत्र एवं सौंदर्य प्रसाधन ङ्क चमेली, लैवेंडर और गुलाब की पंखुड़ियों सहित विभिन्न फूलों का उपयोग सुगंधित एवं सौंदर्य प्रसाधन उत्पादों के निर्माण में कच्चे माल के रूप में किया जाता है।

औषधीय उपयोग ङ्क कैलेंडुला, गुड़हल और कैमोमाइल जैसी पुष्पोत्पादन फसलों का उपयोग औषधीय उत्पादों के निर्माण में किया जाता है।

रंग और डाई निकालना ङ्क गेंदा और गुड़हल का उपयोग प्राकृतिक रंग और डाई प्राप्त करने के लिए किया जाता है।

भारत के पुष्प उत्पादक क्षेत्रों का मानचित्र

अनुकूल जलवायु परिस्थितियों और बाजार की बढ़ती मांग के सहयोग से देश के कई क्षेत्रों में फूलों की खेती का विस्तार हुआ है। वर्ष 2025-26 के तृतीय अग्रिम अनुमानों के अनुसार, फूलों की खेती के अंतर्गत कुल 4.1 लाख हेक्टेयर क्षेत्र शामिल था। इसी अवधि के दौरान 36.53 लाख टन खुले फूलों और 12.29 लाख टन कटे हुए फूलों का उत्पादन हुआ। फूलों की खेती का कुल उत्पादन 48.82 लाख टन रहा, जो भारत में इस क्षेत्र के व्यापक विस्तार और व्यावसायिक महत्व को दर्शाता है।

फूलों के उत्पादन को बढ़ावा देने वाले राज्य

भारत में फूलों की खेती का अधिकांश हिस्सा कुछ प्रमुख राज्यों में केन्?द्रित है। वर्ष 2025-26 के तृतीय अग्रिम अनुमानों के अनुसार, देश के कुल फूल उत्पादन में आंध्र प्रदेश का लगभग 31 प्रतिशत योगदान रहा। इसके बाद तमिलनाडु (14 प्रतिशत), मध्य प्रदेश (11 प्रतिशत), कर्नाटक (10 प्रतिशत) और पश्चिम बंगाल (8 प्रतिशत) का रहा। खेती करने वाले अन्य प्रमुख उत्पादक राज्यों में छत्तीसगढ़, गुजरात, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र और तेलंगाना शामिल हैं। भारत के कुल फूल उत्पादन में पूर्वोत्तर राज्यों का संयुक्त रूप से लगभग 4 प्रतिशत योगदान रहा। इनका असम के खुले और कटे हुए, दोनों प्रकार के फूलों के उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान रहा। इसके बाद विशेष रूप से कटे हुए फूलों के उत्पादन में नागालैंड का स्थान रहा। यह वितरण देशभर में पुष्पोत्पादन के व्यापक भौगोलिक विस्तार को दर्शाता है। मजबूत उत्पादन आधार और खेती की विविध प्रणालियों ने भी अंतरराष्ट्रीय फूल व्यापार में भारत की बढ़ती उपस्थिति को समर्थन दिया है।

वैश्विक फूल बाजारों में भारत की बढ़ती उपस्थिति

फूलों की खेती मूल्यवर्धित कृषि निर्यात का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और पारंपरिक फसलों की खेती के अतिरिक्त आय के अवसर प्रदान करता है। पिछले कुछ वर्षों में भारत के फूलों की खेती के निर्यात में स्पष्ट रूप से वृद्धि देखी गई है, जो भारतीय पुष्प उत्पादों के लिए बढ़ती अंतरराष्ट्रीय मांग का संकेत है। फूलों के निर्यात, जिसमें फलों और सब्जियों के बीज भी शामिल हैं, का मूल्य वित्त वर्ष 2021-22 में 216.74 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 258.26 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। यह वृद्धि भारतीय पुष्प उत्पादों की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय मांग और निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में मजबूती को दर्शाती है।

भारत के शीर्ष वैश्विक निर्यात गंतव्य

वित्त वर्ष 2025-26 में भारत फूलों की खेती और बीजों की प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अच्छी मांग रही। अमेरिका 45.94 मिलियन अमेरिकी डॉलर के निर्यात के साथ शीर्ष गंतव्य के रूप में उभरा। इसके बाद फूलों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार के एक महत्वपूर्ण केन्?द्र नीदरलैंड का स्थान रहा, जहां 42.18 मिलियन अमेरिकी डॉलर के उत्पादों का निर्यात किया गया। बांग्लादेश को 16.51 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य की फूलों की खेती का निर्यात किया गया। वहीं, संयुक्त अरब अमीरात और इटली ने क्रमशः 16.35 मिलियन अमेरिकी डॉलर और 9.69 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के उत्पादों का आयात किया। यह भारत के फूलों की खेती के निर्यात की पारंपरिक और उभरते बाजारों में बढ़ती पहुंच को दर्शाता है।

विविधतापूर्ण पुष्प निर्यात पोर्टफोलियो

यह निर्यात प्रदर्शन फूलों की खेती की विविध फसलों पर आधारित है, जिनका वैश्विक कटे हुए फूलों के व्यापार में महत्वपूर्ण व्यावसायिक स्थान है। भारत से निर्यात की जाने वाली प्रमुख फसलों में गुलाब, कार्नेशन, गुलदाउदी, जरबेरा, ग्लैडियोलस, जिप्सोफिला, लिआट्रिस, नेरिन, ऑर्किड, एकिलिया, एन्थ्यूरियम, ट्यूलिप और लिली शामिल हैं। इनके माध्यम से भारत दुनिया भर के विभिन्न बाजारों की पसंद और गुणवत्ता संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है। इसके अतिरिक्त, भारत से फूलों की खेती का निर्यात कई श्रेणियों में किया जाता है, जिनमें से प्रत्येक विशिष्ट अंतरराष्ट्रीय बाजारों की जरूरतों को पूरा करती है:

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, मंगलवार 24 नवम्बर 2026
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

108 बाल स्वरूपों में साकार हुए आचार्य शांतिसागर, कोटा में गूंजा गुरु भक्ति और धर्म प्रभावना का संदेश

■ समाधिस्थ आचार्य श्री शांतिसागर जी छाणी महाराज के जीवन पर भावपूर्ण नाट्य मंचन, 108 बच्चों ने धारण किया मुनिराज का स्वरूप



कोटा (विश्व परिवार)। त्याग, तपस्या, संयम और आध्यात्मिक साधना की गौरवशाली परंपरा के संवाहक समाधिस्थ आचार्य श्री 108 शांतिसागर जी महामुनिराज (छाणी) के आचार्य पदारोहण शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में रविवार को श्री दिगंबर जैन मंदिर धर्मशाला विज्ञान नगर में भक्ति, श्रद्धा और धर्म प्रभावना का अद्भुत संगम देखने को मिला। विनोद जैन टोरडी ने बताया कि गणिनी आर्यिका श्री 105 स्वस्तिभूषण माताजी के पावन सानिध्य में आयोजित विशाल धर्मसभा में 108 नन्हे बालकों ने छुल्लक स्वरूप धारण कर आचार्य शांतिसागर जी महाराज के व्यक्तित्व और साधना की जीवंत झलक प्रस्तुत की। मंच पर एक साथ 108 बाल स्वरूपों का दृश्य देखकर उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। इस ऐतिहासिक आयोजन को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की ओर से अनंतिम प्रमाणपत्र भी प्रदान किया गया।

अनिल ठोरा एवं रितेश सेठी ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण और अष्टद्रव्य से गणिनी आर्यिका श्री 105 स्वस्तिभूषण माताजी की पूजन के साथ हुआ। आचार्य शांतिसागर जी महाराज के आचार्य पदारोहण शताब्दी वर्ष 2026-27 के शुभारंभ के साथ आयोजित इस समारोह में देशभर से गुरु भक्त और जैन समाज के प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आचार्य श्री के त्यागमय जीवन, साधना, धर्म प्रभावना और दिगंबर जैन मुनि परंपरा के पुनर्जागरण में उनके योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना रहा।

108 बालकों ने प्रस्तुत किया अनूठा दृश्य, शांतिसागर बने नन्हे बालक

मंत्री पी के हरसोरा ने बताया कि समारोह का सबसे आकर्षक और भावनात्मक दृश्य तब सामने आया, जब 108 नन्हे बालकों ने छुल्लक स्वरूप में पिच्छिका के प्रतीक चिह्न धारण कर मंच पर एक साथ प्रवेश किया। सभी बालकों को आचार्य शांतिसागर जी महाराज के स्वरूप में देखकर पूरा पांडाल जयकारों से गूंज उठा। एक साथ 108 बाल स्वरूपों की इस अनूठी प्रस्तुति ने उपस्थित श्रद्धालुओं को अभिभूत कर दिया। आयोजन को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज कराने के लिए प्रस्तुत किया गया। प्रमाणपत्र में आचार्य श्री शांतिसागर जी छाणी महाराज पर आयोजित सबसे बड़ी धर्मसभा का विश्व रिकॉर्ड बनाने के प्रयास का उल्लेख किया गया है। 22 नवंबर 2026 को कोटा के श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित इस सत्र के लिए गणिनी आर्यिका श्री 105 स्वस्तिभूषण माताजी के नाम का उल्लेख करते हुए अनंतिम प्रमाणपत्र जारी किया गया।

पावागिरि में सिद्ध चक्र महामंडल विधान के सातवें दिन 1024 अर्घ किये समर्पित

■ अष्टाह्निका महापर्व में ऐतिहासिक सिद्ध भूमि पर धार्मिक अनुष्ठान का विशेष महत्त्व : मुनि सुव्रतसागर



तालबेहट (विश्व परिवार)। बुंदेलखंड के प्रसिद्ध सिद्ध क्षेत्र पावागिरि की पावन धरा पर अष्टाह्निका महापर्व में बुंदेली संत कवि हृदय वात्सल्य मूर्ति मुनि सुव्रतसागर महाराज एवं क्षुल्लक अनंतसागर महाराज के मंगलमय सानिध्य में आयोजित सिद्ध चक्र महामंडल विधान के सातवें दिन विधानाचार्य बाल ब्रह्मचारी अंशू भैया कोलारस के निर्देशन में चमत्कारी बाबा मूलनायक पारसनाथ स्वामी की अभिषेक शांतिधारा की गयी। विधानाचार्य पं. विनोद जैन शास्त्री बबीना एवं सह प्रतिष्ठाचार्य सतीश जैन शास्त्री अनूपपुर के नेतृत्व में धार्मिक धुनों की स्वर लहरियों के मध्य विधान का भव्य आयोजन किया एवं 1024 अर्घ समर्पित किये। इस मौके पर धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए मुनि सुव्रतसागर महाराज ने श्रीपाल-मैना सुंदरी के जीवन चारित्र का वर्णन करते हुए कहा सिद्ध क्षेत्र पर अष्टाह्निका महापर्व में धार्मिक अनुष्ठानों का विशेष महत्त्व है, इस ऐतिहासिक पावन भूमि पर जिनबिम्ब स्थापना और मंदिर निर्माण कराने के संकल्प करना असीम पुण्य बंध का कारण बताया। उपाध्यक्ष विशाल जैन पवा ने बताया कि मंगलवार को पूर्णाहूति के साथ विधान का समापन, विश्वशांति महायज्ञ एवं हवन के बाद विमानोत्सव का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम में क्षेत्र प्रबंध समिति एवं स्नेहलता राजकुमार मोनिका राहुल जैन नवीन कुमार गुडारे तेजपुरा परिवार सहित निकटवर्ती समाज का सक्रिय सहयोग रहा। संचालन अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन ने किया। आभार व्यक्त मंत्री जयकुमार जैन एवं कोषाध्यक्ष उत्तमचंद जैन ने किया।

गॉस मेमोरियल मैदान को पूर्णतः खेल मैदान के रूप में विकसित करने की मांग

■ कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन



रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी खेलकूद प्रकोष्ठ एवं वीर स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष अधिवक्ता प्रवीण जैन ने जिला कलेक्टर महोदय को ज्ञापन सौंपकर शहर के ऐतिहासिक गॉस मेमोरियल खेल मैदान को अतिक्रमण मुक्त कर पूर्णत: खेल मैदान के रूप में विकसित करने की मांग की है।

प्रवीण जैन ने कहा कि गॉस मेमोरियल मैदान पूर्व में फुटबॉल एवं हॉकी का प्रमुख केंद्र रहा है, लेकिन वर्तमान में अतिक्रमण, गंदगी एवं अव्यवस्था के कारण इसकी खेल उपयोगिता प्रभावित हुई है। उन्होंने मैदान की साफ-सफाई, समतलीकरण, मरम्मत एवं आवश्यक सुविधाएं विकसित करने की मांग की। साथ ही शासन द्वारा लगाई गई फ्लड लाइट की व्यवस्था की सराहना की।

उन्होंने कहा कि रायपुर में पेशेवर फुटबॉल एवं क्रिकेट प्रतियोगिताओं के लिए पर्याप्त खेल अधोसंरचना का अभाव है। गॉस मेमोरियल मैदान को व्यवस्थित रूप से विकसित करने से यहां राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की फुटबॉल प्रतियोगिताओं, प्रशिक्षण शिविरों तथा अन्य खेल गतिविधियों का नियमित आयोजन संभव होगा। वीर स्पोर्ट्स क्लब सहित अन्य खेल संस्थाएं एवं आयोजक भी इस मैदान पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित कर सकेंगे।

स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी संस्था का दिपावली मिलन



रायपुर (विश्व परिवार)। छ.ग.प्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संस्था रायपुर द्वारा शहीद स्मारक भवन परिसर में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिजन का दिपावली मिलन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें संस्था के छ.ग.प्रदेश के प्रांतीय स्तर के सभी पदाधिकारी, विशेष आमंत्रित सदस्य एवं रायपुर, दुर्ग राजनांदगांव, बलौदाबाजार, बेमेतरा, धमतरी, जांजगीर चांपा, सरगुजा, सूरजपुर आदि जिलो के अध्यक्ष और उनके कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित हुये। वरिष्ठ साहित्यकार गिरिश पंकज उपाध्याय ने अपने प्रेरक संबोधन में बताया कि हमारे पूर्वजो का अनुसरण कर हमें खादी के वस्त्र धारण करना चाहिए आज मै बहुत प्रसन्न हूं कि संस्था के प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार बाजारी ने खादी वस्त्र धारण किया है हम सभी को खादी वस्त्र पहनकर अपना जीवन सादगीमय हो यह शिक्षा हमारे पूर्वजो और गांधी जी से मिलती है। इतिहासकार द्वय रमेंद्रनाथ मिश्रा किशोर कुमार अग्रवाल द्वारा अपने उदबोधन में बताया हमारे छत्तीसगढ प्रदेश से बड़े बड़े क्रांतिकारी स्वतंत्रता सेनानी शहीद हुये एवं शेष स्वतंत्रता सेनानीयो ने अंग्रेज सरकार के कठोर कारावास यातनाये सही जिनके त्याग बलिदान से भारत देश को आजाद कराने का योगदान इतिहास में अविस्मरणीय रहेगा। वरिष्ठ समाजसेवी द्वय कैलाश रारा ललित मिश्रा ने भी अपने उदबोधन में वर्तमान छ.ग. प्रदेश के क्रांतकारी सेनानीयो का योगदान भूलाया नहीं जा सकता। संस्था के संरक्षक अरुण दुबे एवं प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डाक्टर अशोक ताम्रकार ने अपने ओजस्वी उदबोधन में बताया सरकार हमारी शासन प्रशासन स्तर पर लंबित मांग पर यथोचित कार्यवाही नहीं करती है तो हम सेनानी परिजन धरना-प्रदर्शन क्रमिक आमरण अनशन के सदैव तत्पर पर रहेंगे शासन प्रशासन से आग्रह है कि हमारी जायज मांग पर शीघ्र निर्णय लेवें। दिपावली मिलन के इस कार्यक्रम में विभिन्न जिलो से आये साथियो ने अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर रमेंद्रनाथ मिश्रा, गिरीश पंकज उपाध्याय, किशोर कुमार अग्रवाल, कैलाश रारा, ललित मिश्रा, सविता पाठक, अरुण दुबे, मुरली मनोहर खण्डेलवाल, सुनील कुमार बाजारी, सुरेश मिश्रा, डाक्टर अशोक ताम्रकार, बबिता नत्थानी, महेश वर्मा,पी संतोष नायडू, महेश दुबे ,अजय जैन अनिरुद्ध दुबे, मंगलसिंग, डाक्टर शिरीष शर्मा, शशि पांडे, रमेश मिश्रा, राजेन्द्र चतुर्वेदी, राजेन्द्र जंघेल,धर्मेन्द्र पंड्या, राजेन्द्र कुमार उमाठे,परसराम अहीर, मुकेश बाबरिया, आशीषचंद्र शर्मा, बालकृष्ण मिश्रा, यतीश अरुणा चौबे कमलेश कुमार कोसरिया सूरजपुर बड़ी संख्या दूरस्थ जिलो से आये पुरूष महिला साथी उपस्थित थे।

बालमुमुक्षु निपुण बैद को समर्पित भव्य स्नात्र पूजा के साथ संपन्न हुआ तीन दिवसीय संयम संग्रामोत्सव



रायपुर (विश्व परिवार)। आत्मशुद्धि, तप आराधना और संयम साधना के भावों से सुसज्जित तीन दिवसीय 'संयम संग्रामोत्सव' का समापन सोमवार को भव्य धार्मिक कार्यक्रम के साथ हुआ। महोत्सव के अंतिम दिन सिद्धि दायक दिवस के अवसर पर श्री ज्ञान वल्लभ उपाश्रय, विवेकानंद नगर में भव्य स्नात्र पूजा संपन्न हुई। संभव संस्कार सुरभि पाठशाला के बच्चों ने पूरे उत्साह और भक्तिभाव के साथ धार्मिक विधि संपन्न की। विशेष बात यह रही कि बच्चों ने पूरी स्नात्र पूजा बालमुमुक्षु निपुण बैद को समर्पित की।

सुबह 9 बजे शुरू हुई स्नात्र पूजा में बच्चों ने श्रद्धा के साथ भाग लिया। भगवान की भक्ति, पूजा-विधि और धार्मिक मंत्रोच्चार के बीच पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। बच्चों ने बालमुमुक्षु निपुण बैद की संयम यात्रा के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए यह विशेष पूजा समर्पित की। उपस्थित समाजजनों और श्रद्धालुओं ने बच्चों की इस भक्ति भावना की सराहना की और मुमुक्षु आत्माओं के वैराग्य भाव की अनुमोदना की। तीन दिनों तक चले संयम संग्रामोत्सव में चार मुमुक्षु आत्माओं की संयम साधना की भावना केंद्र में रही। इनमें रायपुर के बालमुमुक्षु निपुण बैद, फिंगेश्वर की राखी चोपड़ा तथा दल्ली राजहरा की दर्शिता नाहटा और राशि नाहटा शामिल हैं। महोत्सव के पहले दिन शक्रस्तव अभिषेक, बहुमान, पूजा, भक्ति और भव्य आरती हुई।

श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक एवं एकादश गजरथ महामहोत्सव के लिए प्रमुख पात्रों का हुआ चयन

■ राजेश्वरी देवेंद्र जैन मगरपुर ने माता -पिता और निधि आनंद जैन धनगौल ने सौधर्म इंद्र बनने का सौभाग्य प्राप्त किया।



तालबेहट (विश्व परिवार)। बुंदेलखंड के प्रसिद्ध सिद्ध क्षेत्र पावागिरि में बुंदेली संत कवि हृदय वात्सल्य मूर्ति मुनि सुव्रतसागर महाराज के मंगलमय सानिध्य एवं विधानाचार्य पं. विनोद जैन शास्त्री बबीना एवं सह प्रतिष्ठाचार्य सतीश जैन शास्त्री अनूपपुर के नेतृत्व में 17 से 24 नवंबर तक आयोजित सिद्ध चक्र महामंडल विधान के छटवें दिन रविवार को नित्यमय अभिषेक शांतिधारा पूजन के उपरांत द्विगुण-द्विगुण विधान में 512 अर्घ समर्पित किये गये। जिसमें स्नेहलता राजकुमार मोनिका राहुल जैन नवीन कुमार गुडारे तेजपुरा परिवार ने प्रमुख भूमिका निभाई। वर्तमान तीस चौबीसी के शेष जिनबिम्बों का श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक एवं एकादश गजरथ महामहोत्सव 10 से 15 दिसंबर तक संपन्न होने जा रहा है। जिसके लिए दोपहर में बाल ब्रह्मचारी अंशु भैया कोलारस के निर्देशन में मुख्य पात्रों का चयन किया गया। कार्यक्रम के शुभारम्भ में मंगलाचरण नीतू चेतना जैन बबीना ने किया। मुनि श्रीं का पाद पृच्छालन चंद्रप्रभा अरविन्द जैन करमई परिवार एवं शास्त्र भेंट दानाशाह नयाखेड़ा परिवार ने किया। मुनि सुव्रतसागर महाराज ने धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि सदियों गुजर जाती हैं तब पाषाण को भगवान बनाने की आध्यात्मिक प्रक्रिया पंचकल्याणक कराने की भावना बनती है। यह पावागिरि के चमत्कारी मूलनायक भगवान पारसनाथ स्वामी का अतिशय है कि यहाँ छटवीं वार और वर्ष में दूसरी बार पंचकल्याणक होने जा रहा है, देवपत - खेवपत द्वारा बनाये गये इस क्षेत्र की महिमा अपरम्पार है। राजेश्वरी देवेंद्र जैन मगरपुर को माता - पिता, निधि आनंद जैन धनगौल को सौधर्म इंद्र, सिंघई साक्षी दीपक जैन को कुबेर इंद्र, चंद्रप्रभा डॉ. जयकुमार जैन बबीना को महायज्ञनायक बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

मितानिन दिवस पर बच्चों ने किया मितानिनों का सम्मान



आरंग (विश्व परिवार)। सोमवार को शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चरौदा में मितानिन दिवस पर बच्चों ने मितानिन बहनों को तिलक-चंदन व फूलों के हार पहनाकर सम्मानित किया।इस अवसर पर छटेरा सेक्टर के एमटी दुर्गा सोनवानी, मितानीन टामिन साहू, दिनेश्वरी धीवर, ओमेश्वरी धीवर, जयंती साहू, पद्मिनी नारंग, सुनीता धीवर को बच्चों और शिक्षकों ने सम्मानित कर आगे भी बेहतर से बेहतर सेवाएं देने अनुग्रह किया।वहीं मितानिन बहनों ने बाल सहयोगी बच्चों को दुर्घटनाओं से सतर्कता और बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां देकर अन्य बच्चों और पालकों से साझा करने को कहा। इस अवसर पर बड़ी संख्या बच्चों व शिक्षको की उपस्थिति रही।

नारायणी के कार्यक्रम में लोगों ने साझा किए अपने अलौकिक अनुभव



रायपुर (विश्व परिवार)। चलो कृष्ण, अपना रथ लेकर आओ तो सच में दो छोटे बच्चे अपना तांगा लेकर आ गए तो किसी ने कहा - नवरात्रि में पता नहीं कैसे तो कुछ लड़कियां अचानक वहां पहुंच गई, गिनती में नौ ही थीं और कन्या भोज पूरा हुआ। किसी ने संतों के आशीर्वाद से ऑपरेशन के सफल होने की, तो किसी ने खोई चीज़ न मिलने को अन्य तरह से सफलता के लिए प्रयास करने का संकेत माना।

नारायणी साहित्यिक संस्थान की अध्यक्ष डॉ. मृणालिका ओझा ने बताया कि रविवार 22 नवंबर को आयोजित कार्यक्रम में अनेक लोगों ने अपने ऐसे ही अलौकिक अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में आशीर्वाद देने उपस्थित डॉ. इन्दुभवानंद जी महाराज ने विषय की सराहना करते हुए कहा कि ईश्वर की उपस्थिति तो सदैव बनी रहती है और मनुष्य का विश्वास, समर्पण और निरंतर प्रयास उसकी राह में सफलता के बीज बोते चलते हैं। डॉ. चित्तरंजन कर ने कहा कि ऐसे आयोजन आपको कुछ अलग तरह से सोचने की प्रेरणा देते हैं।

कार्यक्रम में अनिता झा, रवि गहलोत, डॉ महेन्द्र ठाकुर, डॉ अनसुइया अग्रवाल, राजेश जैन राही, योगेश शर्मा 'योगी', कैलाश रारा, हरीश भाई कोटक, डॉ उषा सक्सेना, मुकेश गुप्ता, डॉ. गोपा शर्मा, तेजपाल सोनी, डॉ. स्नेहलता झा, गोपाल सोलंकी, कुमार जगदलवी, अरविंद ओझा, सोनल शर्मा, संजीव ठाकुर, मन्नूलाल यदु, माधुरी कर, पल्लवी झा, सुषमा पटेल, रुनाली चक्रवर्ती, कल्याणी तिवारी आदि ने अपने अनुभव साझा किए। अंत में उपस्थित समस्त प्रतिभागियों को सम्मान - पत्र भी प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के द्वितीय भाग में उपस्थित कवियों ने अपनी कविताओं का पाठ किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में किशोर साल्वे एवं ह्रषीक ओझा ने अतिथियों का पुष्प हार, शॉल एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया वहीं संचालन अनुकृति ओझा साल्वे ने किया एवं रौशनी ओझा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के अंत में स्व. सरोज आर्यावर्ती को श्रद्धांजलि दी गई।

पिच्छिका परिवर्तन केवल उपकरण बदलने का नहीं, हृदय परिवर्तन और संयम साधना का महापर्व है : मुनि श्री समतासागर जी

■ अष्टान्हिका पर्व, प्रतिक्रमण, आचार्य पद की गरिमा और कुण्डलपुर के बड़े बाबा की महिमा का किया आध्यात्मिक विवेचन



कुण्डलपुर (विश्व परिवार)। जैन धर्म में पर्व केवल उत्सव मनाने के अवसर नहीं,बल्कि आत्मशुद्धि, संयम, स्वाध्याय और साधना को जीवन में उतारने के विशेष अवसर हैं उपरोक्त उद्गार सिद्धक्षेत्र कुंडलपुर में विराजमान निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर महाराज ने अष्टान्हिका महापर्व के अवसर पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि अष्टान्हिका पर्व तीनों वर्षायोग के उपसंहार में विशेष धार्मिक उल्लास के साथ मनाया जाता है। राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन 'विद्यावाणी' एवं क्षेत्रीय प्रचारमंत्री जयकुमार जैन 'जलज' ने बताया 24नवम्वर बुधवार को अष्टान्हिका महापर्व का आखरी दिवस है,और दौपहर एक बजे से मुनि संघ का पिच्छिका परिवर्तन समारोह रखा गया है, मुनि श्री ने नंदीश्वर द्वीप की धार्मिक महिमा बताते हुए कहा कि इन आठ दिनों में सौधर्म इंद्र अपने परिवार और देवगणों के साथ वहां जाकर चारों दिशाओं में जिनेंद्र भगवान की आराधना करते हैं। देवगण दिव्य सामग्री सेजिनप्रतिमाओं का अभिषेक और पूजन करते हैं। मुनिश्री ने कहा कि कार्तिक, फाल्गुन और आषाढ़ माह के अंतिम आठ दिन अष्टान्हिका पर्व के रूप में मनाए जाते हैं। इन अवसरों पर गृहस्थजन पूजा, स्वाध्याय, सामायिक और तप के माध्यम से जिनशासन की प्रभावना करते हैं, जबकि साधु-संत अपनी साधना, जप, तप और स्वाध्याय से धर्म की प्रभावना करते हैं। मुनि श्री ने प्रतिक्रमण की परंपरा का विवेचन करते हुए कहा कि अष्टान्हिका से अष्टान्हिका तक चार माह का चातुर्मासिक प्रतिक्रमण,चतुर्दशी का पाक्षिक प्रतिक्रमण, प्रतिदिन प्रात: और सायंकालीन प्रतिक्रमण तथा आवागमन के लिए ईर्यापथ प्रतिक्रमण की व्यवस्था जैन साधना पद्धति का महत्वपूर्ण अंग है। अष्टान्हिका पर्व की पूर्णता के साथ ही यह पिच्छिका परिवर्तन समारोह आयोजित किया जा रहा है, उन्होंने कहा कि मयूर पंखों से निर्मित पिच्छिका दिगंबर जैन मुनियों का अनिवार्य संयम उपकरण है। इसकी मृदुता, हल्कापन, सूक्ष्मता तथा पानी और पसीने को ग्रहण नहीं करने जैसे विशेष गुण इसे अन्य पक्षियों के पंखों से अलग बनाते हैं। इससे जीवों की रक्षा और अहिंसा धर्म का पालन होता है।समय के साथ पंखों में कठोरता आने पर वर्ष में एक बार पिच्छिका बदली जाती है, जिसे गृहस्थजन श्रद्धापूर्वक नई पिच्छिका भेंट करते है,तथा मुनिराज अपनी पुरानी पिच्छिका पात्र श्रावकों को प्रदान करते हैं। मुनि श्री ने स्पष्ट किया कि तपस्वियों के संयम उपकरण धन से नहीं, बल्कि संयम की पात्रता से प्राप्त होते हैं। पुरानी पिच्छिका प्राप्त करने के लिए ब्रह्मचर्य व्रत, खानपान की शुद्धि, स्वाध्याय, पूजन और धार्मिक नियमों का पालन करना आवश्यक होता है। उन्होंने पिच्छिका परिवर्तन को हृदय परिवर्तन का दिवस बताते हुए कहा कि गुरुवर आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज सदैव प्रेरणा देते थे कि पिच्छिका लो,दीक्षा लो और संयम मार्ग पर आगे बढ़ो। उन्होंने आचार्य श्री केआचार्य पद प्रतिष्ठापना दिवस के संदर्भ में आचार्य पद की महिमा बताते हुए कहा कि णमोकार महामंत्र के पांच परमेष्ठियों में आचार्य परमेष्ठी का विशेष स्थान है।

ऑनलाइन बुकिंग के आँकड़ों से यात्रियों की माँग का सटीक आकलन

■ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में दो वर्षों में लगभग 1,000 टीओडी गाड़ियाँ



बिलासपुर (विश्व परिवार)। भारतीय रेल यात्रियों की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप अपनी सेवाओं को निरंतर अधिक लचीला और यात्री-केंद्रित बना रही है। इसी दिशा में 'ट्रेन ऑन डिमांड' (टीओडी), अर्थात माँग आधारित गाड़ियाँ, एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में उभरी है। त्योहारों, छुट्टियों, मेलों और विशेष अवसरों पर जब किसी मार्ग पर यात्रियों की संख्या अचानक बढ़ जाती है, तब टीओडी के माध्यम से उसी मार्ग पर, उसी समय अतिरिक्त गाड़ियाँ चलाकर यात्रियों को राहत दी जाती है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भी इस व्यवस्था के माध्यम से अपने क्षेत्र के यात्रियों को उनकी आवश्यकता के समय अतिरिक्त सुविधा उपलब्ध करा रही है।

ट्रेन ऑन डिमांड ऐसी गाड़ियाँ हैं जो नियमित समय-सारणी से अलग, यात्रियों की वास्तविक माँग के आधार पर चलाई जाती हैं। नियमित गाड़ियाँ पूरे वर्ष एक निश्चित समय-सारणी पर चलती हैं, जबकि टीओडी किसी विशेष मार्ग पर, किसी विशेष अवधि में बढ़ी हुई माँग को पूरा करने के लिए अधिसूचित की जाती हैं। जैसे ही किसी मार्ग पर माँग बढ़ने के संकेत मिलते हैं, रेलवे उस मार्ग के लिए अतिरिक्त गाड़ी की योजना बनाकर उसे अधिसूचित करती है और यात्री उसमें सामान्य गाड़ियों की तरह आरक्षण करा सकते हैं।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

विविध

रायपुर, मंगलवार 24 नवंबर 2026



कवि और समाज सुधारक थे श्री गुरु नानकदेव

देशभर में सिखों के पहले गुरु नानकदेव जी की जयंती प्रकाश पर्व के रूप में मनाई जाती है। प्रकाश पर्व यानी मन की बुराइयों को दूर कर उसे सत्य, ईमानदारी और सेवा भाव से प्रकाशित करना। सिखों के प्रथम गुरू गुरुनानक देव जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में विशाल नगर कीर्तन निकाला जाता है। इस दौरान पांच प्यारें नगर कीर्तन की अगुवाई करते हैं।

भारत की पावन भूमि पर कई संत-महात्मा अवतरित हुए हैं, जिन्होंने धर्म से विमुख सामान्य मनुष्य में अध्यात्म की चेतना जागृत कर उसका नाता ईश्वरीय मार्ग से जोड़ा है। ऐसे ही एक अलौकिक अवतार गुरु नानकदेव जी हैं। कहा जाता है कि गुरु नानकदेवजी का आगमन ऐसे युग में हुआ जो इस देश के इतिहास के सबसे अंधेरे युगों में था। उनका जन्म 1469 में लाहौर से 30 मील दूर दक्षिण-पश्चिम में तलवंडी रायभोय नामक स्थान पर हुआ जो अब पाकिस्तान में है। बाद में गुरुजी के सम्मान में इस स्थान का नाम ननकाना साहिब रखा गया। श्री गुरु नानकदेव संत, कवि और समाज सुधारक थे। धर्म काफी समय से थोथी रस्मों और रीति-रिवाजों का नाम बनकर रह गया था। उत्तरी भारत के लिए यह कुशासन और अफरा-तफरी का समय था। सामाजिक जीवन में भारी भ्रष्टाचार था और धार्मिक क्षेत्र में द्वेष और कशमकश का दौर था। न केवल हिन्दुओं और मुसलमानों के बीच में ही, बल्कि दोनों बड़े धर्मों के भिन्न-भिन्न संप्रदायों के बीच भी।

इन कारणों से भिन्न-भिन्न संप्रदायों में और भी कट्टरता और बैर-विरोध की भावना पैदा हो चुकी थी। उस वक्त समाज की हालत बहुत बदतर थी। ब्राह्मणवाद ने अपना एकाधिकार बना रखा था। उसका परिणाम यह था कि गैर-ब्राह्मण को वेद शास्त्राध्यापन से हतोत्साहित किया जाता था। निम्न जाति के लोगों को इन्हें पढ़ना बिलकुल वर्जित था। इस ऊँच-नीच का गुरु नानकदेव पर बहुत असर पड़ा। वे कहते हैं कि ईश्वर की निगाह में सब समान हैं। ऊंच-नीच का विरोध करते हुए गुरु नानकदेव अपनी मुखवाणी 'जपुजी साहिब' में कहते हैं कि 'नानक उत्तम-नीच न कोई' जिसका भावार्थ है कि ईश्वर की निगाह में छोटा-बड़ा कोई नहीं फिर भी अगर कोई व्यक्ति अपने आपको उस प्रभु की निगाह में छोटा समझे तो ईश्वर उस व्यक्ति के हर समय साथ है। यह तभी हो सकता है जब व्यक्ति ईश्वर के नाम द्वारा अपना अहंकार दूर कर लेता है। तब व्यक्ति ईश्वर की निगाह में सबसे बड़ा है और उसके समान कोई नहीं।

नानक देव की वाणी में - **नीचा अंदर नीच जात, नीची हूं अति नीच।**
नानक तिन के संगी साथ, वडियां सिऊ कियां रीस?

समाज में समानता का नारा देने के लिए उन्होंने कहा कि ईश्वर हमारा पिता है और हम सब उसके बच्चे हैं और पिता की निगाह में छोटा-बड़ा कोई नहीं होता। वही हमें पैदा करता है और हमारे पेट भरने के लिए खाना भेजता है।

नानक जंत उपाइके, संभालै सभनाह।
जिन करते करना कीआ, चिंताभिकरणी ताहर?

जब हम 'एक पिता एकस के हम वारिक' बन जाते हैं तो पिता की निगाह में जात-पात का सवाल ही नहीं पैदा होता।

गुरु नानक जात-पात का विरोध करते हैं। उन्होंने समाज को बताया कि मानव जाति तो एक ही है फिर यह जाति के कारण ऊंच-नीच क्यों? गुरु नानक देव ने कहा कि मनुष्य की जाति न पूछो, जब व्यक्ति ईश्वर की दरगाह में जाएगा तो वहां जाति नहीं पूछी जाएगी। सिर्फ आपके कर्म ही देखे जाएंगे। गुरु नानक देव ने पित्तर-पूजा, तंत्र-मंत्र और छुआ-छूत की भी आलोचना की। इस प्रकार हम देखते हैं कि गुरु नानक साहिब हिंदू और मुसलमानों में एक सेतु के समान हैं। हिंदू उन्हें गुरु एवं मुसलमान पीर के रूप में मानते हैं। उन्होंने हमेशा ऊंच-नीच और जाति-पाति का विरोध करने वाले नानक ने सबको समान समझकर 'गुरु का लंगर' शुरू किया, जो एक ही पंक्ति में बैठकर भोजन करने की प्रथा है।

प्रमुख गुरुद्वारा साहिब

गुरुद्वारा कंध साहिब - बटाला (गुरुदासपुर) गुरु नानक का यहाँ बीबी सुलक्षणा से 18 वर्ष की आयु में संवत 1544 की 24वीं जेठ को विवाह हुआ था। यहाँ गुरु नानक की विवाह वर्षगाँठ पर प्रतिवर्ष उत्सव का आयोजन होता है।

गुरुद्वारा हाट साहिब- सुल्तानपुर लोधी (कपूरथला) गुरुनानक ने बहनोई जैराम के माध्यम से सुल्तानपुर के नवाब के यहाँ शाही भंडार के देखरेख की नौकरी प्रारंभ की। वे यहाँ पर मोदी बना दिए गए। नवाब युवा नानक से काफी प्रभावित थे। यहीं से नानक को तेरा शब्द के माध्यम से अपनी मंजिल का आभास हुआ था।

गुरुद्वारा गुरु का बाग- सुल्तानपुर लोधी (कपूरथला) यह गुरु नानकदेवजी का घर था, जहाँ उनके दो बेटों बाबा श्रीचंद और बाबा लक्ष्मीदास का जन्म हुआ था।

गुरुद्वारा कोठी साहिब- सुल्तानपुर लोधी (कपूरथला) नवाब दौलतखान लोधी ने हिसाब-किताब में गड़बड़ी की आशंका में नानकदेवजी को जेल भिजवा दिया। लेकिन जब नवाब को अपनी गलती का पता चला तो उन्होंने नानकदेवजी को छोड़ कर माफी ही नहीं माँगी, बल्कि प्रधानमंत्री बनाने का प्रस्ताव भी रखा, लेकिन गुरु नानक ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया।

गुरुद्वारा बेर साहिब- सुल्तानपुर लोधी (कपूरथला) जब एक बार गुरु नानक अपने सखा मर्दाना के साथ वैन नदी के किनारे बैठे थे तो अचानक उन्होंने नदी में डुबकी लगा दी और तीन दिनों तक लापता हो गए, जहाँ पर कि उन्होंने ईश्वर से साक्षात्कार किया। सभी लोग उन्हें डूबा हुआ समझ रहे थे, लेकिन वे वापस लौटे तो उन्होंने कहा- एक ओंकार सतिनाम। गुरु नानक ने वहाँ एक बेर का बीज बोया, जो आज बहुत बड़ा वृक्ष बन चुका है।

गुरुद्वारा अचल साहिब- गुरुदासपुर अपनी यात्राओं के दौरान नानकदेव यहाँ रुके और नाथपंथी योगियों के प्रमुख योगी भांगर नाथ के साथ उनका धार्मिक वाद-विवाद यहाँ पर हुआ। योगी सभी प्रकार से परास्त होने पर जादुई प्रदर्शन करने लगे। नानकदेवजी ने उन्हें ईश्वर तक प्रेम के माध्यम से ही पहुँचा जा सकता है, ऐसा बताया।

गुरुद्वारा डेरा बाबा नानक- गुरुदासपुर जीवनभर धार्मिक यात्राओं के माध्यम से बहुत से लोगों को सिख धर्म का अनुयायी बनाने के बाद नानकदेवजी रावी नदी के तट पर स्थित अपने फार्म पर अपना डेरा जमाया और 70 वर्ष की साधना के पश्चात 1539 ई. में परम ज्योति में विलीन हुए।



कैसे मनाएं गुरुनानक देव का प्रकाशोत्सव

गुरु नानक का प्रकाशोत्सव, पर्व यूं तो पवित्र भावनाओं के साथ मनाया जाने वाला उत्सव है। प्रकाशोत्सव के दिन किस तरह से परंपराओं का निर्वाह किया जाए, कैसे इस उत्सव को मनाया जाए। आइए जानते हैं.

प्रभात बेला में क्या करें

- गुरु नानकदेवजी के प्रकाशोत्सव पर सर्वप्रथम प्रातःकाल स्नानादि करके पांच वाणी का 'नित नेम' करें।
- स्वच्छ वस्त्र पहनकर गुरुद्वारा साहिब जाएं और मत्था टेकें।
- गुरु स्वरूप सात संगत के दर्शन करें।
- गुरुवाणी, कीर्तन सुनें।
- गुरुओं के इतिहास का श्रवण करें।
- सच्चे दिल से अरदास सुनें।
- संगत व गुरुघर की सेवा करें।
- गुरु के लंगर में जाकर सेवा करें।
- अपनी सच्ची कमाई में से 10वां हिस्सा धार्मिक कार्य व गरीबों की सेवा के लिए दें।

तीन बातों का पालन अवश्य करें

गुरु नानक ने सच्चे सिख के लिए यानी अपने शिष्यों से तीन मुख्य बातों का पालन करने के लिए कहा है।

- ईश्वर का नाम जपें
- सच्ची कीरत (कमाई) करें।
- गरीब मार नहीं करें। (दान करें)

रात्रि में क्या करें

गुरु नानकदेवजी का जन्म रात्रि लगभग 1 बजकर 40 मिनट पर हुआ था। अतः इसके लिए रात्रि जागरण किया जाता है। इसके लिए निम्न कार्य करें

- रात को पुनः दीवान सजता है अतः वहां कीर्तन, सत्संग आदि करें।
- जन्म के बाद सामूहिक अरदास में शामिल हों।
- कड़ा-प्रसाद लें व एक-दूसरे को बधाई दें।
- गुरु महाराज के प्रकाश (जन्म) के समय फूलों की बरखा एवं आतिशबाजी करें।

दस सिद्धांत

गुरुनानक देव जी ने अपने अनुयायियों को जीवन के दस सिद्धांत दिए थे। यह सिद्धांत आज भी प्रासंगिक है।

- ईश्वर एक है।
- सदैव एक ही ईश्वर की उपासना करो।
- जगत का कर्ता सब जगह और सब प्राणी मात्र में मौजूद है।
- सर्वशक्तिमान ईश्वर की भक्ति करने वालों को किसी का भय नहीं रहता।
- ईमानदारी से मेहनत करके उदरपूर्ति करना चाहिए।
- बुरा कार्य करने के बारे में न सोचें और न किसी को सताएँ।
- सदा प्रसन्न रहना चाहिए। ईश्वर से सदा अपने को क्षमाशीलता माँगना चाहिए।
- मेहनत और ईमानदारी से कमाई करके उसमें से जरूरतमंद को भी कुछ देना चाहिए।
- सभी स्त्री और पुरुष बराबर हैं।
- भोजन शरीर को जिंदा रखने के लिए जरूरी है पर लोभ-लालच व संग्रहवृत्ति बुरी है।



कार्तिक पूर्णिमा पृथ्वी के इस भाग में उतरेगा देवलोक

कार्तिक पूर्णिमा पर देव दीपावली मनाए जाने का विधान है। भगवान शंकर ने देवताओं की प्रार्थना पर महाबलशाली दैत्य त्रिपुरासुर का वध किया था। उसी के उल्लास में यह पर्व देव दीपावली के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि देव दीपावली पर देवता नदी तटों पर आते हैं। इस तिथि से पहले कार्तिक के शुक्ल पक्ष की एकादशी यानि देवउठनी एकादशी पर भगवान विष्णु नींद से जागते हैं। ये भी माना जाता है कि दीपावली पर महालक्ष्मी अपने स्वामी भगवान विष्णु से पहले जाग जाती हैं, इसलिए दीपावली के 15 दिन बाद देवताओं की दीपावली मनाई जाती है। इसे ही आगे चलकर देव दीपावली ने नाम से जाना गया। उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर में इस उत्सव की बहुत धूम रहती है। कहते हैं पृथ्वी के इस भाग में सारा देवलोक उतर आता है। यह त्यौहार काशी की संस्कृति एवं परम्परा का अहम हिस्सा है। वाराणसी में धूमधाम से देव दीपावली मनाई जाती है। इस मौके पर पूरी काशी नगरी को दीयों की जगमगाहट से रोशन कर दिया जाता है। काशी के सभी घाटों को दुल्हन की तरह सजाया भी जाता है। 84 घाटों पर दीयों की लडियां देखकर ऐसा लगता है मानो तारे आसमान छोड़कर धरती पर उतर आए हों। भव्य गंगा आरती को देखने के लिए दूर-दूर से लोग वाराणसी आते हैं। दशाश्वमेध घाट पर देव दीपावली के दिन पर्यटकों का जमावड़ा लगता है। घाटों पर मंत्रोच्चार होता है। हर घाट की फूलों और इलेक्ट्रॉनिक लाइटों से आकर्षक सजावट की जाती है। शंखनाद के बाद महाआरती शुरू होती है।



कार्तिक पूर्णिमा

स्नान से लेकर रात तक करें ये काम लक्ष्मी प्रसन्न होकर बरसाएंगी धन

कार्तिक पूर्णिमा का शास्त्रों में बहुत महत्व माना गया है। जो व्यक्ति इस दिन विधिपूर्वक पूजन करता है, उसके जीवन से सभी संतापों का अंत हो जाता है। जन्मकुंडली में जैसे भी दोष हों, उन्हें दूर करने के लिए ये दिन बहुत शुभ है। इस शुभ योग में शनि से संबंधित उपाय भी किए जा सकते हैं। इस दिन हरिद्वार में हरि की पौड़ी (हर की पौड़ी) और बनारस में गंगा घाट पर जाकर स्नान करने की महिमा है तथा गंगा माता का धूप, दीप, पुष्प, चन्दन, नेवैद्य आदि से पूजन करने का विधान है। जो लोग हरिद्वार नहीं जा सकते वह गंगा के किसी भी तटवर्ती क्षेत्र अथवा अपने घर में भी गंगा जल युक्त पानी में स्नान करके मंदिर में मां गंगा जी की प्रतिमा का विधिवत पूजन करके भी पुण्य लाभ पा सकते हैं। शास्त्रानुसार जो लोग घर में ही गंगा स्नान करना चाहते हैं वह पहले बाल्टी में गंगा जल डाले तथा बाद में उस बाल्टी को जल से भर कर स्नान करे तो वह सारा जल गंगा जल के समान होगा। अर्थात गंगा में जो भी वस्तु गिरती है वह गंगा के समान ही पवित्र मानी जाती है। इस विधि से स्नान करने वाले को धन-धान्य, मान-प्रतिष्ठा आदि सभी सुख मिलेंगे।

पूजन के साथ ही ओम नमः शिवाय और नारायण्यै दशहरायै गंगाये नमः मंत्र का जाप करें तथा हवन यज्ञ करके आहूतियां डाले, धरती पर गंगा को लाने वाले भागीरथ और जहां से वह आई हैं उस हिमालय के नाम का स्मरण करते हुए उनका भी विधिवत पूजन करें। श्रीसूक्त और लक्ष्मी स्तोत्र का पाठ करके हवन करें, लक्ष्मी प्रसन्न होकर बरसाएंगी धन। शनि दोष से मुक्ति के लिए काले रंग की वस्तुओं का दान शाम 5 बजे के बाद निर्धन व्यक्ति को करें। सूर्यास्त के बाद तुलसी पर दीपदान करें और चार परिक्रमा करें। नमक न खाएं। रात को चंद्रमा को अर्घ्य दें।

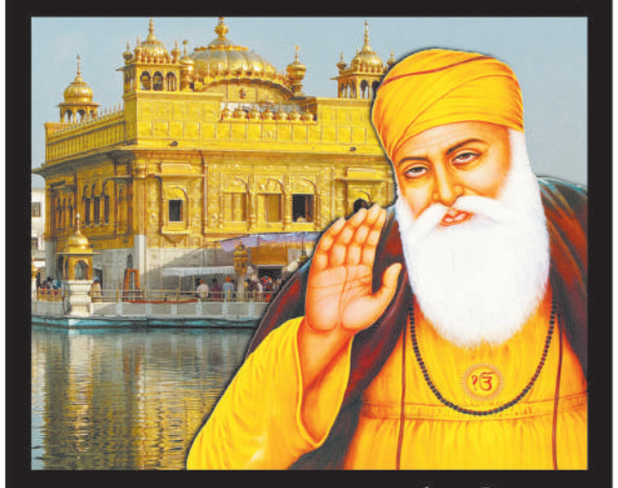

जब गुरुनानक ने दिया विचित्र आशीर्वाद

गुरु नानक एक बार एक गांव में गए। उस गांव के लोग नास्तिक विचारधारा के थे। वे भगवान, उपदेश और पूजा-पाठ में बिल्कुल भी विश्वास नहीं रखते थे। वे साधुओं को ढोंगी की संज्ञा देते। उन्होंने नानक के प्रति कटु वचन कहे और उनका तिरस्कार भी किया, तथापि नानक देव शांत ही रहे। दूसरे दिन जब वे वहां से रवाना होने लगे तो लोग उनके पास आए और उन्होंने कहा, 'जाने से पहले आशीर्वाद तो देते जाएं।'

नानकदेव मुस्करा दिए और बोले, 'आबाद रहो।'

वे जब समीपस्थ ग्राम में पहुंचे, तो वहां के लोगों ने उनका उचित सत्कार किया तथा रहने-खाने का भी उचित प्रबंध किया।

नानकजी ने उनके समक्ष प्रवचन किया। प्रवचन समाप्ति के उपरांत श्रद्धालु लोगों ने उनसे आशीर्वाद देने का आग्रह किया, तो नानकदेव बोले, 'उजड़ जाओ।' शिष्यों ने ये विचित्र आशीर्वाद सुने तो उनकी कुछ समझ में न आया। उनमें से एक से न रहा गया और वह पूछ ही बैठा, 'देव, आपने तो बड़े ही विचित्र आशीर्वाद दिए हैं। आदर करने वालों को तो उजड़ जाने का आशीर्वाद दिया है, जबकि तिरस्कार करने वालों को आबाद रहने का। मेरी समझ में तो कुछ भी नहीं आया। कृपया स्पष्ट करें।' तब नानकदेव हंसते हुए बोले, 'सज्जन लोग उजड़ेंगे तो वे जहां भी जाएंगे, अपनी सज्जनता के कारण उत्तम वातावरण बना लेंगे, किंतु दुर्जन यदि अपना स्थान छोड़ें तो वे जहां जाएंगे, वहीं का वातावरण दूषित बनाएंगे, इसलिए उन्हें आबाद रहने का आशीर्वाद दिया।' नानक देव के वचन सुनकर शिष्य ने उनका चरण स्पर्श किया और कहा, 'गुरु देव आप जो भी करते और सोचते हैं उनसे पीछे ज्ञान छिपा होता है जिसे हम तुच्छ प्राणी समझ नहीं सकते हैं।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, मंगलवार 24 नवम्बर 2026

हर घर मुनगा अभियान के तहत जिले में अधिक से अधिक मुनगा पौधों का रोपण सुनिश्चित करें : कलेक्टर प्रजापति

■ समय-सीमा की बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश



कवर्धा (विश्व परिवार)। कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने हर घर मुनगा अभियान के तहत कबीरधाम जिले में अधिक से अधिक मुनगा पौधों का रोपण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को इस दिशा में कार्ययोजना बनाकर प्रभावी क्रियान्वयन करने को कहा। बैठक में कलेक्टर ने समय-सीमा के लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा करते हुए सभी विभाग प्रमुखों को निर्धारित समयावधि में प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री नरेन्द्र पैकरा, श्री आरपी आचला सहित समस्त एसडीएम, तहसीलदार, जिला अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने हर घर मुनगा अभियान को कुपोषण की रोकथाम की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि मुनगा की फली और पत्तियां आयरन, विटामिन एवं कैल्शियम जैसे पोषक तत्वों के अच्छे स्रोत हैं। इनके नियमित उपयोग से पोषण स्तर में सुधार लाने में मदद मिलती है। उन्होंने जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूलों, छात्रावासों, आश्रमों सहित शासकीय संस्थानों एवं घरों में अधिक से अधिक मुनगा के पौधे लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास एवं जिला शिक्षा अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों को वन विभाग, उद्यानिकी विभाग और कृषि विज्ञान केंद्र से मुनगा के पौधे प्राप्त कर रोपण के लिए समुचित कार्ययोजना तैयार करने को कहा। साथ ही पौधों के रोपण और उनके संरक्षण पर भी ध्यान देने के निर्देश दिए।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की तैयारियों की समीक्षा

कलेक्टर ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 27 नवंबर को आयोजित होने वाली विशेष ग्राम सभा की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी सहित संबंधित अधिकारियों को ग्राम पंचायत स्तर पर आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने और अभियान के उद्देश्यों के अनुरूप जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए।

अगले सप्ताह से निर्माण कार्यों की होगी विस्तृत समीक्षा

कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने जिले में संचालित निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि अगले सप्ताह से समय-सीमा की बैठक के बाद निर्माण कार्यों से जुड़े विभागों के कार्यों की अलग से विस्तृत समीक्षा की जाएगी। इसमें लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा सहित निर्माण कार्यों से जुड़े सभी विभागों की प्रगति की जानकारी ली जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी से जिला खनिज न्यास निधि (डीएमएफ) के माध्यम से स्कूलों में शिक्षा दूत की नियुक्ति के लिए निर्धारित अर्हता, शर्तों एवं मापदंडों की जानकारी ली। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों में पोस्ट ऑफिस भवन निर्माण के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को उपयुक्त स्थल का चयन करने के निर्देश दिए।

नवोदय प्रवेश परीक्षा की अंतिम तैयारी

■ बस्तर कलेक्टर आकाश छिकारा की पहल पर आयोजित चौथे मॉक टेस्ट में 528 विद्यार्थी शामिल



जगदलपुर (विश्व परिवार)। जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में बस्तर जिले के विद्यार्थियों का प्रदर्शन बेहतर बनाने के उद्देश्य से सोमवार को चौथे मॉक टेस्ट का आयोजन किया गया। बस्तर कलेक्टर श्री आकाश छिकारा की विशेष पहल पर जिले के सभी विकासखंडों में यह अंतिम अभ्यास परीक्षा संपन्न हुई, जिसमें कुल 528 परीक्षार्थी शामिल हुए।

उल्लेखनीय है कि 28 तारीख को प्रस्तावित मुख्य चयन परीक्षा से पहले यह अंतिम मॉक टेस्ट आयोजित किया गया, ताकि अंतिम परीक्षा से पहले विद्यार्थियों का आत्मविश्वास और समय प्रबंधन और अधिक मजबूत हो सके।विकासखंडवार उपस्थिति (100 में से) के आंकड़ों के अनुसार दरभा और लोहंडीगुड़ा में सर्वाधिक 90-90 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि तोकापाल में 79, बस्तानार में 70, जगदलपुर में 67 तथा बस्तर और बकावंड में 66-66 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। मेधावी विद्यार्थियों को सही दिशा और मार्गदर्शन देने के उद्देश्य से प्रत्येक विकासखंड से शीर्ष 100-100 बच्चों का चयन किया गया था। कलेक्टर श्री आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में जिले के चयनित मेधावी विद्यार्थियों को बेहतर तैयारी के लिए पूर्व में ही नि:शुल्क अध्ययन सामग्री व पुस्तकें उपलब्ध कराई गई हैं, साथ ही उनके संशय दूर करने और हौसला बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इससे पहले आयोजित मॉक टेस्ट में भी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी तैयारी को परखा था और छुट्टी या अन्य कारणों से केंद्र पर न पहुंच पाने वाले परीक्षार्थियों की तैयारी प्रभावित न हो, इसके लिए स्कूलों के माध्यम से भी प्रश्न-पत्र हल कराने की व्यवस्था की गई थी। अब 28 तारीख को होने वाली मुख्य परीक्षा से पहले इस चौथे मॉक टेस्ट के माध्यम से बच्चों को अपनी कमियों को सुधारने और परीक्षा के माहौल के अनुरूप खुद को ढालने का महत्वपूर्ण अवसर मिला है।

पंकज नायक प्रांतीय उपाध्यक्ष मनोनीत, विश्वनाथ ध्रुव बने रायपुर जिला अध्यक्ष





रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ अधिकारी-कर्मचारी पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रांतीय संगठन में महत्वपूर्ण संगठनात्मक बदलाव करते हुए प्रांताध्यक्ष श्री पी.आर. यादव ने श्री पंकज नायक को प्रांतीय कार्यकारिणी में शामिल कर प्रांतीय उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया है। वहीं, एसोसिएशन की जिला शाखा रायपुर के अध्यक्ष पद पर श्री विश्वनाथ ध्रुव को मनोनीत किया गया है।

एसोसिएशन द्वारा आज जारी मनोनयन आदेश के अनुसार संगठन को और अधिक सशक्त, सक्रिय एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से नए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

उल्लेखनीय है कि जिला शाखा रायपुर द्वारा आयोजित मासिक बैठक में संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में प्रांतीय महामंत्री श्री उमेश मुदलियार विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में श्री पंकज नायक को प्रांतीय कार्यकारिणी में दायित्व दिए जाने तथा जिला शाखा रायपुर के नए अध्यक्ष के चयन के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सर्वसम्मति से इन निर्णयों पर अपनी सहमति व्यक्त की।

इसके पश्चात प्रांतीय महामंत्री श्री उमेश मुदलियार ने बैठक में नए पदाधिकारियों के मनोनयन की घोषणा की तथा प्रांतीय इकाई द्वारा विधिवत मनोनयन पत्र जारी किए गए।

श्री पंकज नायक पूर्व में जिला शाखा रायपुर के अध्यक्ष के रूप में संगठनात्मक गतिविधियों का संचालन कर रहे थे। उनके प्रांतीय उपाध्यक्ष बनाए जाने से अब उन्हें प्रदेश स्तर पर संगठन के विस्तार, पेंशनरों की समस्याओं के निराकरण तथा विभिन्न जिलों के बीच समन्वय स्थापित करने की जिम्मेदारी मिलेगी।

वहीं, श्री विश्वनाथ ध्रुव रायपुर जिला शाखा के अध्यक्ष के रूप में संगठन की गतिविधियों को आगे बढ़ाएंगे तथा जिले के पेंशनरों को संगठित कर उनकी समस्याओं एवं मांगों को शासन-प्रशासन के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाने का कार्य करेंगे।

इस अवसर पर संगठन के उमेश उमेश मुदलियार, संभागीय अध्यक्ष आयुष्मान विमल कुंडू, विजय झा एल एन शर्मा ,एन के शर्मा यशवंत भोशले के पी अग्रवाल, बेनीराम गायकवाड़ एस एस देवांगन, वाय आर सोनी , पवन साहु राजेन्द्र शर्मा आदि उपस्थित पदाधिकारीयों एवं सदस्यों ने नवनियुक्त प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री पंकज नायक एवं जिला अध्यक्ष श्री विश्वनाथ ध्रुव को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि दोनों पदाधिकारी संगठन की मजबूती, एकजुटता एवं पेंशनरों के हितों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

उपरोक्त जानकारी जिला शाखा रायपुर के सचिव श्री बेनी राम गायकवाड़ ने दी।

मितानिन बहनों का समर्पण और सेवा समाज के लिए प्रेरणास्रोत : पुरन्दर मिश्रा

■ जगन्नाथ मंदिर परिसर में मितानिन दिवस पर रायपुर उत्तर विधानसभा की मितानिन बहनों का विधायक ने किया सम्मान



रायपुर (विश्व परिवार)। मितानिन दिवस के अवसर पर आज जगन्नाथ मंदिर परिसर में रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र की मितानिन बहनों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर रायपुर उत्तर विधायक पुरन्दर मिश्रा ने क्षेत्र की सभी मितानिन बहनों का सम्मान कर उनके सेवा, समर्पण और समाज के प्रति योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि मितानिन बहनें स्वास्थ्य सेवाओं की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। वे अपने समर्पण, मेहनत और सेवाभाव से समाज के प्रत्येक वर्ग तक स्वास्थ्य सुविधाओं एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने से लेकर जरूरतमंद परिवारों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने तक उनका योगदान सराहनीय है। उन्होंने कहा कि आप सभी बहनें जिस निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर जनसेवा के कार्यों में जुटी हैं, उसके लिए आप सभी बधाई की पात्र हैं। आपका कार्य केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रति सेवा और संवेदनशीलता का उदाहरण है।

विधायक मिश्रा ने आगे कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश के विकास, जनकल्याण और आम नागरिकों तक बेहतर सुविधाएं पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मितानिन बहनों के सहयोग और सहभागिता से सरकार की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं।

मितानिन दिवस पर विकास उपाध्याय ने मितानिन बहनों का किया सम्मान

■ स्वास्थ्य सेवाओं में उनके योगदान को सराहा



रायपुर (विश्व परिवार)। मितानिन दिवस के अवसर पर आज पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने मितानिन बहनों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित कर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर उन्होंने मितानिनों को सम्मानित करते हुए उनके द्वारा समाज और स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में भीम यादव भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विकास उपाध्याय ने कहा कि मितानिन बहनें हमारे स्वास्थ्य व्यवस्था की मजबूत आधारशिला हैं। वे गांव, मोहल्लों और बस्तियों में घर-घर जाकर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का काम करती हैं। गर्भवती महिलाओं की देखभाल, नवजात शिशुओं का संरक्षण, बच्चों के टीकाकरण, महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और परिवार कल्याण जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ करती हैं। उन्होंने कहा कि मितानिन बहनों का योगदान केवल स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वे समाज के हर जरूरतमंद परिवार के सुख-दुख में सहभागी बनती हैं। कठिन परिस्थितियों और सीमित संसाधनों के बावजूद वे अपनी जिम्मेदारियों को पूरी ईमानदारी से निभाती हैं। विशेषकर गरीब और जरूरतमंद परिवारों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने में उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।

निलंबित डॉ. मालिक राम पोर्ते कर रहे विभाग के संबंध में अनर्गल बयानबाजी, हो सख्त कार्यवाही

रायपुर। महासंघ के संज्ञान में आया है कि कर्मचारी संघ के चुनाव में पराजित एवं वर्तमान में निलंबित डॉ. मालिक राम पोर्ते द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से विभाग के संबंध में अनर्गल बयानबाजी की जा रही है। साथ ही उनके द्वारा कर्मचारी संगठन के प्रतिनिधित्व एवं संगठन की ओर से बयान देने संबंधी किए जा रहे दावे पूरी तरह निराधार एवं भ्रामक हैं। महासंघ स्पष्ट रूप से उनके इन दावों को खारिज करता है। डॉ. मालिक राम पोर्ते को कर्मचारी संगठन की ओर से अधिकृत प्रतिनिधि मानने का कोई आधार नहीं है। उनके व्यक्तिगत विचारों एवं बयानों को कर्मचारी संगठन का आधिकारिक पक्ष न समझा जाए।



छत्रपति शिवाजी किड्स स्कूल में आनंद मेला का भव्य आयोजन



रायपुर (विश्व परिवार)। रावतपुरा कॉलोनी स्थित छत्रपति शिवाजी किड्स स्कूल में पहली बार आनंद मेला का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें बच्चे प्रॉपर अपने-अपने शेफ के यूनिफॉर्म में नजर आए और बच्चे बहुत ही लजीज व्यंजन बनाकर लाए थे।जिसमें चाऊमीन, गुपचुप, स्वीट कॉर्न, पेटीज, से सेवई आदि थे।और सबसे मजेदार बात यह है कि यह बच्चे सिर्फ 6 से 8 साल के उम्र के हैं आकर्षण का केंद्र यही रहा कि इतने छोटे-छोटे बच्चे इतनी देर तक एक ही स्थान पर खड़े होकर सब व्यंजनों को बेच रहे थे। अभिभावकों ने भी बहुत उत्साह दिखाया वे आए और इतने प्यारे प्यारे बच्चों का स्टाल देखकर उनसे भी रहा नहीं गया।वह हर बच्चे से कुछ ना कुछ खरीद रहे थे इस मौके पर स्कूल की सभी शिक्षिकाएं स्कूल के सभी बच्चे अभिभावकगण और प्राचार्या श्रीमती अपर्णा कर्मकार उपस्थिति रही।

पिपरिया पुलिस की जुआ व आबकारी अधिनियम के तहत कार्यवाही

■ 17 आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही।



कबीरधाम (विश्व परिवार)। जिले के पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र कुमार यादव के निर्देशन में जिले में जुआ एवं अवैध शराब से संबंधित गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने लगातार वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना पिपरिया पुलिस द्वारा अलग-अलग स्थानों पर कार्यवाही करते हुए जुआ एवं आबकारी अधिनियम के तहत कुल 08 प्रकरण दर्ज कर 17 आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई।

जुआ खेलने वालों के विरुद्ध कार्यवाही

थाना पिपरिया पुलिस द्वारा ग्राम पिपरिया स्थित मुक्तिधाम के पास एवं ग्राम पालीगुड़ा में अलग-अलग स्थानों पर रुपये-पैसों का दांव लगाकर 52 पत्ती ताश से हार-जीत का जुआ खेलते पाए जाने पर कुल 04 प्रकरण दर्ज किए गए। इन प्रकरणों में तोपेश्वर सिवारे, रामावतार कुर्रे, गणेश नाविक, लाला कुर्रे, विजय कुमार सतनामी, सुनील मिरज, गीताराम सतनामी, नरेन्द्र चंद्रवंशी, कृपाल सिंह धुर्वे, बलराम निषाद, रविकांत चंद्रवंशी, जगदीश्वर साहू एवं धर्मेन्द्र यादव सहित कुल 13 आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम, 2022 के तहत कार्यवाही की गई। आरोपियों के कब्जे से कुल 6,450/- रुपये एवं 52 पत्ती ताश जप्त की गई।

आबकारी अधिनियम के तहत कार्यवाही

थाना पिपरिया पुलिस द्वारा आबकारी अधिनियम के तहत 04 अलग-अलग प्रकरणों में कार्यवाही की गई। ग्राम पिपरिया में सार्वजनिक स्थान पर शराब पीते पाए जाने पर दुर्गा पिता खेलावन पाटिला, निवासी मलहापारा के विरुद्ध कार्यवाही की गई। ग्राम कान्हाभैरा में शराब बिक्री के उद्देश्य से शराब अपने कब्जे में रखने पर विसर्जन पिता राजाराम चंद्रवंशी के कब्जे से 1,620 एम.एल. शराब एवं 110/- रुपये बिक्री रकम जप्त की गई। वहीं ग्राम खैरझिटी कला में सार्वजनिक स्थान पर शराब पीते पाए जाने पर प्रकाश पिता अगस चंद्रवंशी तथा ग्राम मोहगांव में लोगों को शराब पीने की सुविधा उपलब्ध कराने पर द्वारिका पिता सरजू चंद्रवंशी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत वैधानिक कार्यवाही की गई।

कबीरधाम पुलिस की अपील

कबीरधाम पुलिस द्वारा जुआ एवं अवैध शराब से संबंधित गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जा रही है। कानून व्यवस्था एवं सामाजिक वातावरण को प्रभावित करने वाली गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध आगे भी वैधानिक कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। उक्त कार्यवाही में जिले के वरिष्ठ अधिकारीगणों के दिशा निर्देश पर थाना प्रभारी पिपरिया निरीक्षक श्री नितिन तिवारी एवं थाना पिपरिया पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

डॉ. रमन सिंह, संतोष पाण्डे सहित निगम पदाधिकारियों ने दी प्रकाश पर्व की बधाई

राजनांदगांव। विधानसभा अध्यक्ष व विधायक डॉ. रमन सिंह, सांसद संतोष पाण्डे एवं महापौर मधुसूदन यादव ने गुरूनानक जी के जन्मदिवस प्रकाश पर्व पर सिक्ख समाज को अपनी शुभकामनाए दी है। उन्होंने गुरूनानक जी के जन्मदिवस प्रकाश पर्व की बधाई देते हुये नागरिकों के जीवन में सुख-समृद्धि, शांति व स्नेह की कामना की है। अपने शुभकामना संदेश में उन्होंने कहा कि श्री गुरूनानक देव के रूप में धरती पर एक ऐसा सितारा उतरा था जिनके सत्य, प्रेम, सदभावना, भाईचारे के सिद्धांत एंव संदेश आज भी मानव समाज के लिये उतने ही अधिक मार्गदर्शक है जितना की गुरूनानक जी के दौर के समय थे। निगम अध्यक्ष टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा,निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम, नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले, महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य सर्वश्री सावन वर्मा,सुनील साहू,राजेश जैन रानू, बिना ध्रुव, शैंकी बग्गा,आलोक श्रोती,राजा माखीजा, वर्षा शरद सिन्हा, केवरा विजय राय एवं डीलेश्वर प्रसाद साहू,सहित वरिष्ठ सभापति खेमिन यादव, कनिष्ठ सभापाति संदीप बघेल, अपील समिति के सदस्यों श्रुती लोकेश जैन, संतोष कुमार साहू, मोहनी बाई एवं सेवक राम उइके, पार्षदों तथा नामांकित पार्षदो ने भी नागरिकों को प्रकाश पर्व पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए, गुरूनानक जी के संदेशो को आत्मसात कर इस पर्व को अपूर्व उमंग-उल्लास-उत्साह के साथ मनाने की अपील की है।

पंडरिया विधानसभा के वनांचल क्षेत्रों में बिछ रहा सड़कों का जाल

■ विधायक भावना बोहरा ने 9.33 करोड़ रुपए से अधिक के सड़क निर्माण एवं नवीनीकरण कार्य का किया भूमिपूजन



पंडरिया (विश्व परिवार)। विधायक भावना बोहरा के सतत प्रयासों और डबल इंजन भाजपा सरकार में पंडरिया विधानसभा के गाँव-गाँव तक समृद्धि और विकास की किरण पहुँच रही है। जनता की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हो रही है वहीं हर गाँव को विकास की मुख्य धारा से जोड़ती पक्की सड़कें पंडरिया के विकास को नई गति दे रही हैं। इसी कड़ी में आज पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने वनांचल क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित मांग रही दो प्रमुख सड़कों के निर्माण एवं नवीनीकरण कार्य का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कुल 9 करोड़ 33 लाख 1 हजार रुपए की लागत से दो महत्वपूर्ण सड़कों लोक निर्माण विभाग अंतर्गत 5 करोड़ 71 लाख 59 हजार रुपए की लागत से डेंगुरजाम से अमनिया तक 3.20 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य एवं मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत 3 करोड़ 61 लाख 42 हजार रुपए की लागत से देवसरा से कुई तक 7.4 किलोमीटर सड़क नवीनीकरण कार्य का भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को बधाई दी और इस सौगात के लिए माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी एवं उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव जी का आभार व्यक्त किया। इन विकास कार्यों के माध्यम से ग्राम देवसरा,अमनिया, डेंगुरजाम, कुई सहित क्षेत्र के दूरस्थ वनांचल के गांवों को मुख्य मार्गों से जोड़ने, आवागमन सुगम बनाने तथा ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार हेतु सुविधा मिलेगी।

इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि विकास का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होता है, जब उसकी रोशनी अंतिम छोर पर बसे गांव और वहां रहने वाले प्रत्येक परिवार तक पहुंचे। सड़कें विकास की आधारशिला हैं, जो गांवों को शहरों से, किसानों को बाजार से, विद्यार्थियों को शिक्षा से और जरूरतमंदों को स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ती हैं। इन सड़कों के निर्माण एवं नवीनीकरण से वनांचल क्षेत्र के ग्रामीणों, किसानों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। गांवों को बेहतर सड़क संपर्क मिलने से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि एवं अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच आसान होगी। साथ ही क्षेत्र में विकास की नई संभावनाएं खुलेंगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के वनांचल एवं आदिवासी अंचलों का सर्वांगीण विकास हमारी प्राथमिकता है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, मंगलवार 24 नवम्बर 2026

खेल के मैदानों में गूंज रहा बदलाव का संदेश

सुकमा। बस्तर के दूरस्थ वनांचलों में अब बदलाव की नई तस्वीर खेल के मैदानों में दिखाई दे रही है। कभी नक्सलवाद के प्रभाव के लिए पहचाने जाने वाले इन क्षेत्रों में आज खेल, उमंग और उत्साह की गूंज सुनाई दे रही है। इसकी जीवंत झलक रविवार को हड़मा स्टेडियम सुकमा में आयोजित बस्तर ओलंपिक 2026-27 के विकासखंड स्तरीय मुकाबलों में देखने को मिली। 'हमारा खेल, हमारा बस्तर, हमारी पहचान' के ध्येय वाक्य के साथ आयोजित इस खेल महाकुंभ का शुभारंभ महिला आयोग की सदस्य सुदीपिका सोरी, जनप्रतिनिधि धनीराम बारसे, जनपद अध्यक्ष संतोष इडो, उपाध्यक्ष श्रीमती रीना पेद्दी सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

'सेवा संवाद यात्रा' के दूसरे दिन विधायक अनुज शर्मा की जनचौपाल

■ कारा में 15 लाख रूपए से शेड निर्माण व गोमची में 10 लाख रुपए के सामुदायिक भवन की घोषणा



धरसीवाँ (विश्व परिवार)। धरसीवाँ विधानसभा के लोकप्रिय विधायक अनुज शर्मा द्वारा क्षेत्र के समग्र विकास और जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से निकाली जा रही 'सेवा संवाद यात्रा' का दूसरा दिन आज सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यात्रा के दूसरे दिन विधायक ने विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बेंन्द्री, कारा, बाना, गोमची, तेंदुआ और गुमा का सघन भ्रमण किया।

जनचौपाल में सुनी समस्याएं, दी 25 लाख रुपए के विकास कार्यों की सौगात

विभिन्न ग्राम पंचायतों में प्रवास के दौरान विधायक अनुज शर्मा ने आम नागरिकों से सीधा संवाद किया और उन्हें केंद्र व राज्य सरकार की प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं तथा उपलब्धियों की जानकारी दी। प्रत्येक ग्राम में 'जनचौपाल' का आयोजन कर उन्होंने ग्रामीणों की पेयजल, सड़क, बिजली, राशन और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी व्यक्तिगत व सामूहिक मांगों को गंभीरता से सुना।

विधायक ने कई आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया, जबकि शेष मामलों के त्वरित और पारदर्शी समाधान के लिए संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए। इसी क्रम में ग्रामीणों की मांग और जनसुविधा को देखते हुए उन्होंने ग्राम कारा में 15 लाख रुपए की लागत से शेड निर्माण तथा ग्राम गोमची में 10 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण की महत्वपूर्ण घोषणा की।

युवा, नारी शक्ति और श्रमिक वर्ग से विशेष संवाद

'सेवा संवाद यात्रा' के माध्यम से विधायक अनुज शर्मा ने समाज के हर वर्ग तक पहुँचने का सार्थक प्रयास किया:

नारी शक्ति संवाद: विधायक ने ग्रामों में आयोजित नारी शक्ति सम्मेलन और महिला स्व-सहायता समूहों (SHG) की बहनों के साथ आत्मीय संवाद किया। उन्होंने महिलाओं की समस्याओं व सुझावों को गंभीरता से सुना और उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया।

युवा एवं श्रमिक संवाद: भ्रमण के दौरान उन्होंने गाँव के युवाओं से उनके भविष्य, रोजगार और खेलकूद की सुविधाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की। साथ ही, श्रमिक बंधुओं से मुलाकात कर उनके कार्यस्थल की परिस्थितियों और श्रमिक कल्याणकारी योजनाओं की उन तक पहुँच के बारे में जानकारी ली।

धान उपार्जन केंद्र, आंगनबाड़ी व विकास कार्यों का औचक निरीक्षण

यात्रा के दौरान विधायक अनुज शर्मा ने विभिन्न ग्राम पंचायतों में चल रहे निर्माण व विकास कार्यों की गुणवत्ता का जायजा लिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ग्राम बेंद्री स्थित आंगनबाड़ी केंद्र, धान उपार्जन केंद्र, शासकीय कार्यालयों और स्कूलों का औचक निरीक्षण भी किया। उन्होंने धान खरीदी की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ ही अधिकारियों को कार्यप्रणाली में सुधार लाने तथा जनता के प्रति पूर्ण जवाबदेही सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए।

एआई शिक्षकों का विकल्प नहीं, बल्कि उनकी क्षमता कई गुना बढ़ाने वाला सशक्त माध्यम : टंकराम वर्मा

■ छत्तीसगढ़ की उच्च शिक्षा में तकनीकी नवाचार का नया अध्याय, उच्च शिक्षा विभाग और गूगल फॉर एजूकेशन के बीच एमओयू



रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा को आधुनिक तकनीक, नवाचार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जोड़ने की दिशा में राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में उच्च शिक्षा विभाग और गूगल फॉर एजूकेशन के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) के माध्यम से प्रदेश के महाविद्यालयों में शिक्षण, अनुसंधान और प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में नया अध्याय शुरू हुआ है। इस पहल के अंतर्गत प्राध्यापकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को एआई तकनीक के व्यावहारिक उपयोग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षा व्यवस्था बदलाव लाने की रखता है क्षमता

उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने आज 23 नवंबर को दीन दयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित एमओयू हस्ताक्षर एवं एआई प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज का युग ज्ञान, नवाचार और तकनीक का है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षा व्यवस्था में व्यापक बदलाव लाने की क्षमता रखता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार उच्च शिक्षा में आधुनिक तकनीक के समुचित उपयोग को प्रोत्साहित कर रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने डॉ. कालीचरण यादव के निधन पर जताया गहरा शोक



रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रख्यात शिक्षाविद्, साहित्यकार एवं समाजसेवी डॉ. कालीचरण यादव के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डॉ. यादव ने अपना संपूर्ण जीवन छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति, कला और समृद्ध परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए समर्पित कर दिया। उनका निधन प्रदेश के कला, साहित्य और संस्कृति जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोकनृत्य विधा राउत नाचा को महोत्सव का स्वरूप प्रदान कर राष्ट्रीय मंच और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में डॉ. कालीचरण यादव का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने अपनी सांस्कृतिक साधना और अथक प्रयासों से छत्तीसगढ़ की लोकपरंपराओं को नई पहचान दिलाई। लोकसंस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के क्षेत्र में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने तथा परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है।

'राष्ट्रीय विद्यालय एवं बाल आश्रम' आगमन की स्मृति में आयोजित शताब्दी महोत्सव में शामिल हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल, बापू को किया नमन



रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की यह धरती धन्य है, जहां से पंडित सुंदरलाल शर्मा जी के माध्यम से बापू को अस्पृश्यता निवारण की प्रेरणा मिली। आज के दौर में जब हमारे युवा सोशल मीडिया और 10 सेकंड के वीडियो में व्यस्त हैं, तब हमें महापुरुषों के आदर्शों को मोटी किताबों से निकालकर छोटे और प्रभावशाली संदेशों के जरिए उन तक पहुंचाना होगा। बाल आश्रम और राष्ट्रीय विद्यालय को शिक्षा का इतना बेहतरीन केंद्र बनाएं कि लोग यहां अपने बच्चों के दाखिले के लिए सिफारिश लगाएं। समाज के जरूरतमंद बच्चों का भविष्य संवारना ही बापू को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर राधा जी को उनकी नई पुस्तक के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक पुरंदर मिश्रा, आयोजक अजय तिवारी, देवीचंद श्रीश्रीमाल, गोकुलदास, मदनलाल, राजकिशोर नथानी, रामोतार, सुरेश बजाज, हरि वल्लभ, गोवर्धन दास, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजन, शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

डॉ. अम्बेडकर की जयंती पर प्रधानमंत्री मोदी ने संविधान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय किया : अरुण साव



रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने सोमवार को भाजपा कार्यालय (एकात्म परिसर) में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि हम सब जानते हैं, 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने भारतीय संविधान को औपचारिक रूप से अपनाया था और हमारा यह संविधान 2 वर्ष, 11महीने और 18 दिन में तैयार हुआ था। संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दिवस को संविधान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय किया। श्री साव ने कहा कि जब हमने संविधान को अपनाया, तो उसे हमारे इतिहास से दूर कर दिया गया था, जिसे 2015 से फिर से प्रारंभ कर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने संविधान के प्रति और बाबा साहेब अम्बेडकर के प्रति अपनी कृतज्ञता और सम्मान को व्यक्त किया है। 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाने का उद्देश्य बाबा साहेब के विचारों को स्मरण करना और उन विचारों को जन-जन तक पहुँचाना है।



बैंक ऑफ बड़ौदा पीएम स्वनिधि योजना के तहत ऋण संवितरण में शीर्ष स्थान पर

■ स्वनिधि सम्मान पुरस्कार 2026 से सम्मानित



मुंबई। भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, बैंक ऑफ़बड़ौदा (बैंक) को भारत सरकार की प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के अंतर्गत ऋण संवितरण में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के बैंकों में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए स्वनिधि सम्मान पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान देशभर के स्ट्रीट-वेंडरों के बीच वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने तथा औपचारिक ऋण सुविधाओं तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में बैंक के निरंतर प्रयासों को रेखांकित करता है। यह पुरस्कार श्री मनोहर लाल, माननीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री, भारत सरकार द्वारा श्री तोखन साहू, माननीय आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री; श्री सतेंद्र सिंह, सचिव, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय तथा श्रीमती ईशा कालिया, मिशन निदेशक, पीएम स्वनिधि की उपस्थिति में प्रदान किया गया। बैंक ऑफ़ बड़ौदा की ओर से यह पुरस्कार श्री राज कुमार गोयल, महाप्रबंधक - सरकारी योजनाएं एवं को-लेंडिंग; श्री राकेश सिंह, सहायक महाप्रबंधक - एमएसएमई बैंकिंग तथा श्री न्यूटन कुमार, मुख्य प्रबंधक - एमएसएमई बैंकिंग ने ग्रहण किया।

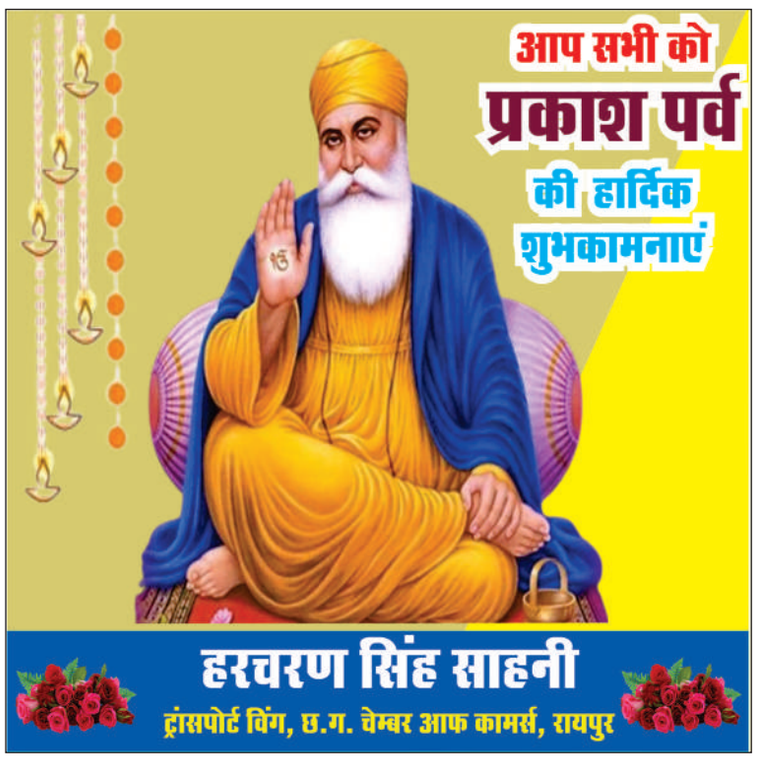

इंदिरा मार्केट में 17.35 करोड़ की लागत से बनेगी अत्याधुनिक मल्टीलेवल पार्किंग

दुर्ग। नगर पालिक निगम। शहर के प्रमुख व्यावसायिक केंद्र इंदिरा मार्केट एवं पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में पार्किंग की समस्या से निजात दिलाने के लिए प्रस्तावित अत्याधुनिक मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण कार्य का महापौर अलका बाघमार ने निगम अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों के साथ स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदार को कार्य में और गति लाने तथा निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

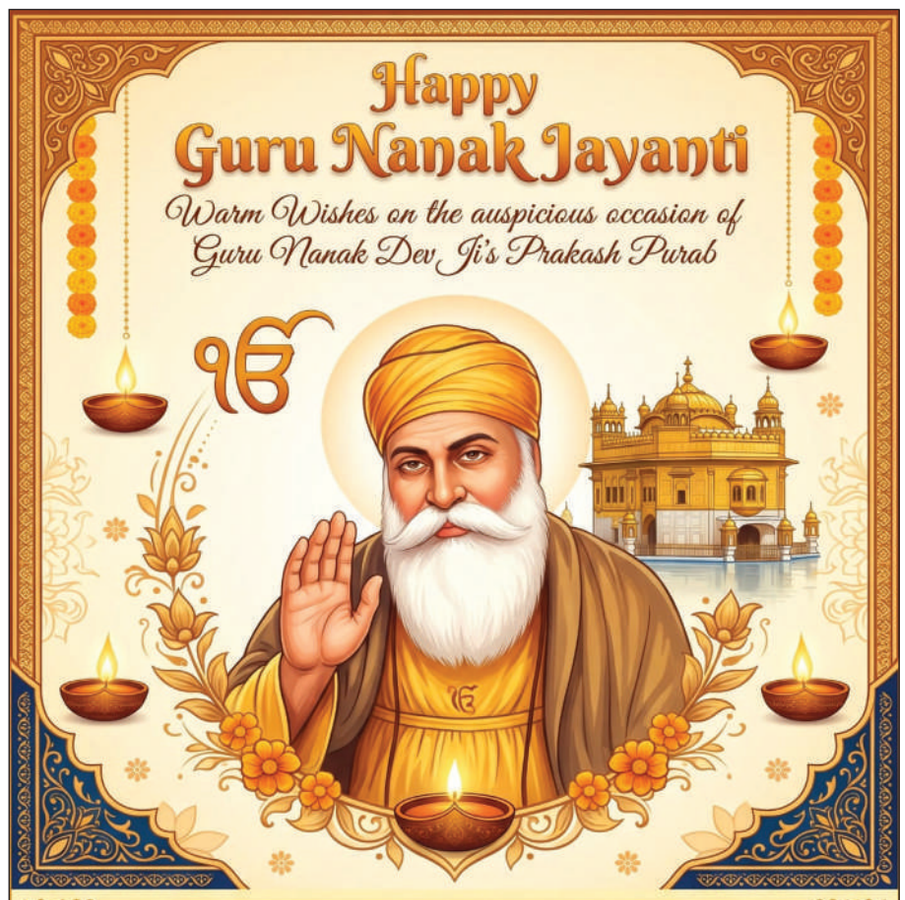







प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354